



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 34]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, फरवरी 21, 2013/फाल्गुन 2, 1934

No. 34]

NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 21, 2013/PHALGUNA 2, 1934

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी तथा संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 फरवरी, 2013

अंतिम जांच परिणाम

विषय : चीन जन.गण. के मूल के या वहां से निर्यातित फ्लैट बेस स्टील व्हील्स के आयातों के बारे में निर्णायक समीक्षा (एस एस आर)।

सं. 15/22/2011-डीजीएडी.—समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए ;

क. मामले की पृष्ठभूमि :

1. यतः, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995, दिनांक 31 मई, 2006 की अधिसूचना सं. 14/8/2005-डी जी ए डी के तहत संबद्ध देश के मूल की संबद्ध वस्तु के आयातों के बारे में मूल जांच शुरू की थी। प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच परिणाम 12 जनवरी, 2007 की अधिसूचना सं. 14/8/2005-डी जी ए डी के तहत जारी किए थे और राजस्व विभाग ने 29 मार्च, 2007 की अधिसूचना सं. 51/2007-सी.शु. के तहत अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लागू किया था। प्राधिकारी ने निश्चयात्मक शुल्क की सिफारिश करते हुए 28 नवम्बर, 2007 की अधिसूचना सं. 14/8/2005-डी जी ए डी के तहत अंतिम जांच परिणाम संबंधी अधिसूचना जारी की थी। प्राधिकारी द्वारा अंतिम जांच परिणाम में की गई सिफारिशों के आधार पर राजस्व विभाग ने संबद्ध देश के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर 31 दिसम्बर, 2007 की अधिसूचना सं. 124/2007-सी.शु. के तहत निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया था।

या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर 31 दिसंबर, 2007 की अधिसूचना सं. 124/2007-सी.शु. के तहत निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया था ।

2. और यतः मूल तथा वर्तमान जांच में चीन की प्रतिवादी निर्यातक मै. ज़ोंग जिंग वहील्स कं. लि. ने संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने को चुनौती देते हुए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर न्यायाधिकरण (सेस्टेट) के समक्ष अपील दायर की ।
3. यतः माननीय सेस्टेट ने 11 अगस्त, 2011 के अपने आदेश द्वारा अपीलकर्ताओं को निर्णयोपरांत सुनवाई का अवसर देने और ऐसी निर्णयोपरांत सुनवाई के परिणामस्वरूप अंतिम जांच परिणाम में आवश्यक समझे गए ऐसे उपांतरण करने के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास यह मामला वापस भेज दिया । आदेश का प्रचालनात्मक भाग अन्य बातों के साथ-साथ निम्नानुसार है:

“तदनुसार हम आवेदकों को निर्णयोपरांत सुनवाई का अवसर देने और अंतिम जांच परिणाम में ऐसे उपांतरण करने जिन्हें ऐसे निर्णयोपरांत सुनवाई के परिणामस्वरूप आवश्यक समझा जाए, करने के लिए ये अपीलें निर्दिष्ट प्राधिकारी को वापस भेजने की अनुमति देते हैं । प्रतिवादी घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों, यदि कोई हो, को भी ऐसे निर्णयोपरांत सुनवाई में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। अंतिम जांच परिणाम में किए गए किसी उपांतरण पर पाटनरोधी शुल्क लगाने वाली आक्षेपित अधिसूचना में आवश्यक संशोधन कर सरकार द्वारा उन्हें प्रभावी बनाते हुए विचार किया जाएगा । यह प्रक्रिया इस आदेश की तारीख से 6 माह के भीतर पूरी की जाएगी और इस बीच यथास्थिति बनाए रखी जाएगी । चूंकि हम इन अपीलों की अनुमति वापस भेजकर प्रदान कर रहे हैं, इसलिए संबंधित स्थगन याचिकाएं, एम ए तथा सी ओ को निपटाया गया माना जाएगा । ”

4. यतः माननीय सेस्टेट के आदेशों का पालन करते हुए और आदेशों को चुनौती देने के निर्दिष्ट प्राधिकारी के अधिकारों के प्रति पूर्वाग्रह के बिना प्राधिकारी ने 13 दिसंबर, 2011 को ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों के लिए निर्णयोपरांत मौखिक सुनवाई आयोजित की तथा 28 नवंबर, 2007 की पूर्ववर्ती अधिसूचना सं. 14/8/2005 के तहत निकाले गए अपने अंतिम जांच परिणामों और उनमें की गई सिफारिशों की पुनः पुष्टि करते हुए 10 फरवरी, 2012 की अधिसूचना सं. 14/8/2005-डी जी ए डी के तहत निर्णयोपरांत जांच परिणाम जारी किए । प्राधिकारी ने माननीय सेस्टेट के आदेशों को चुनौती देते हुए माननीय उच्चतम न्यायालय में अपीलें भी दायर कीं । संबद्ध देश के संबद्ध निर्यातक ने भी माननीय उच्चतम न्यायालय में सेस्टेट के निर्णय को चुनौती दी । माननीय उच्चतम न्यायालय ने 31 अगस्त, 2012 और 7 सितंबर, 2012 के अपने अंतरिम आदेशों के तहत संबंधित पक्षकारों को एस्क्रो खाते में पाटनरोधी शुल्क जमा करने का निर्देश दिया ।

5. यतः मै. कल्याणी लैमर्ज लि., पुणे और मै. व्हील्स इंडिया लि., चेन्नई ने पाटनरोधी उपायों के बावजूद संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के सतत पाटन और पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटन के तेज होने तथा घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति होने की संभावना का आरोप लगाते हुए अधिनियम और नियमों के अनुसार घरेलू उद्योग की ओर से प्राधिकारी के समक्ष एक विधिवत पुष्टिकृत आवेदन दायर किया। उन्होंने संबद्ध देश के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा करने, उसे जारी रखने और उसमें वृद्धि करने का अनुरोध किया।
6. घरेलू उद्योग की ओर से दायर विधिवत पुष्टिकृत आवेदन को ध्यान में रखते हुए और पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9 (5) के अनुसार प्राधिकारी ने संबद्ध देश के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के संबंध में शुल्क को निरंतर लागू रखने की जरूरत की समीक्षा करने और इस बात की जांच करने कि क्या ऐसे शुल्क को समाप्त किए जाने से पाटन तथा घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है, के लिए 24.2.2012 की अधिसूचना के तहत निर्णायक समीक्षा जांच शुरू की। केन्द्र सरकार द्वारा 20.03.2012 की अधिसूचना सं. 16/2012-सी.शु.(एडीडी) के तहत संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की वैधता की अवधि बढ़ाकर 27 मार्च, 2013 कर दी गई है।
7. वर्तमान समीक्षा के दायरे में संबद्ध देश के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों से संबंधित पूर्ववर्ती जांच के सभी पहलू शामिल हैं।

ख. प्रक्रिया

8. संबद्ध जांच के बारे में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है:

- क. नियम 6(2) के अनुसार, नई दिल्ली स्थित संबद्ध देश के दूतावास को जांच की शुरुआत के बारे में सूचित किया गया था।
- ख. उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार प्राधिकारी ने आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की प्रतियां ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देश के दूतावास को उपलब्ध कराईं। आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की प्रति सार्वजनिक फाइल में भी रखी गई थी और उसे अनुरोध किए जाने पर अन्य हितबद्ध पक्षकारों को मुहैया कराया गया था।

ग. प्राधिकारी ने चीन जन.गण. के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों (जिनके नाम और पते प्राधिकारी को उपलब्ध कराए गए थे) को निम्नानुसार सार्वजनिक सूचना की प्रति भेजी और उन्हें नियम 6(2) और 6(4) के अनुसार पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अवसर प्रदान किया:

- i. झेंगजिंग व्हील ग्रुप कं. लि.
- ii. झेजियांन जिगू आटोमोबाइल्स
- iii. क्विंगडाओ वाईटीई प्रोडक्ट्स कंपनी लि.
- iv. शेंगडोंग शेंग टाई व्हील कंपनी लि.
- v. शेंगडोंग जिगमिन व्हील कंपनी लि.
- vi. चायना जैनिक्स आट्रो इंटरनेशनल लि.
- vii. नानजिंग हाइहोप इंजी. कंपनी लि.
- viii. झेजियांग ईस्टर्न टॉक ग्रुप
- ix. शेंगताई ग्रुप कंपनी लि.
- x. शेंगडोंग जिनिंग व्हील फैक्ट्री
- xi. जियामैन सनराइज
- xii. फ्यूजियान झेंगजिंग व्हील कंपनी लि.
- xiii. शेनडोंग डेटोंग व्हील्स कंपनी

घ. तथापि, निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर केवल मै. झेंगजिंग व्हील ग्रुप लि., चीन जन.गण. से ही प्राप्त हुआ था ।

ड प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित सभी ज्ञात आयातकों (जिनके नाम और पते प्राधिकारी को उपलब्ध कराए गए थे) को सार्वजनिक सूचना की प्रति भेजी और नियम 6(4) के अनुसार उन्हें पत्र जारी होने की तारीख से चालीस दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने की सलाह दी:

- xiv. टाटा मोटर्स लि..
- xv. इचेर मोटर्स लि..
- xvi. एशिया मोटर वर्क्स लि..
- xvii. अशोक लीलैंड लि.
- xviii. किंग कावेरी ट्रेडिंग कंपनी,
- xix. यॉर्क ट्रांसपोर्ट एक्विपमेंट (एआईएसए) प्रा. लि..

- xx. यॉर्क ट्रांसपोर्ट एक्विपमेंट.
- xxi. स्वराज माजदा लिमिटेड.
- xxii. महिन्द्रा एंड महिन्द्रा लिमिटेड.,
- xxiii. वॉल्वो ट्रक्स इंडिया
- xxiv. मैन फोर्स ट्रक (इं) लि.
- xxv. वीई कॉमर्शियल व्हीकल्स लिमिटेड.
- xxvi. सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैनुफैक्चरर्स

च. तथापि, आयातक प्रश्नावली का उत्तर केवल निम्नलिखित आयातकों से प्राप्त हुआ था:

- टाटा मोटर्स लि.
- अशोक लीलैंड लि.

छ. नियम 6(7) के अनुसार विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों का अगोपनीय रूपांतरण प्राधिकारी द्वारा सार्वजनिक फाइल के रूप में हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध कराया गया था जिसे उनके निरीक्षण हेतु खुला रखा गया था ।

ज. जिन निर्यातकों, उत्पादकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने न तो प्राधिकारी को उत्तर दिया है और न ही इस जांच से संगत सूचना प्रस्तुत की है, उन्हें असहयोगी हितबद्ध पक्षकार माना गया है ।

झ. चीन जन.गण. के सभी ज्ञात निर्यातकों और दूतावास को बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार (एम ई टी) संबंधी प्रश्नावली भी इस अनुरोध के साथ भेजी गई थी कि वे निर्धारित समय के भीतर प्राधिकारी को संगत सूचना उपलब्ध कराएं । हालांकि जांच के प्रयोजनार्थ चीन जन.गण. में सामान्य मूल्य पर भारत में विधिवत समायोजित संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत के आधार पर किया गया था, तथापि, प्राधिकारी ने ज्ञात निर्यातकों को यह सूचित किया कि उसका प्रस्ताव यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 और पैरा 8 को ध्यान में रखते हुए आवेदक के दावे की जांच करने का है । अतः चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के निर्यातकों/उत्पादकों से यह अनुरोध किया गया था कि वे पैरा 8 के उप पैरा (3) में किए गए उल्लेखानुसार आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करें ताकि प्राधिकारी इस बात पर विचार कर

सकें कि क्या सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान किया जा सके ।

ट. वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस) से अनुरोध किया गया था कि वह जांच अवधि सहित क्षति अवधि के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरे की व्यवस्था करें ।

ठ. प्राधिकारी ने डी जी सी आई एंड एस से प्राप्त आयात आंकड़ों और गौण स्रोत अर्थात् आई बी आई एस के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों की तुलना की और वर्तमान जांच में डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों पर भरोसा किया ।

ड. सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत और उसे बनाने तथा बेचने की लागत के अनुसार क्षति रहित कीमत का निर्धारण करने के लिए आवेदकों से सूचना मांगी गई थी ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कमतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा । इसके अलावा, प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध-III में निर्धारित सिद्धांतों के अनुसार घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत निर्धारित की है ।

ढ. हितबद्ध पक्षकारों की मौखिक सुनवाई करने के लिए प्राधिकारी ने 30 नवंबर, 2012 को एक सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की । सुनवाई के समय उपस्थित हितबद्ध पक्षकारों को सलाह दी गई थी कि वे मौखिक रूप से व्यक्त विचारों के लिखित अनुरोध दायर करें और उन्हें अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा व्यक्त विचारों के उत्तर दायर करने का अवसर भी प्रदान किया गया था ।

ण. जांच के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों पर प्राधिकारी द्वारा संगत समझी गई सीमा तक इस जांच परिणाम में विचार किया गया है;

त. घरेलू उद्योग द्वारा और सहयोगी निर्यातक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों/सूचना का आवश्यक समझी गई सीमा तक मौके पर सत्यापन किया गया था ।

थ. उपर्युक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसार प्राधिकारी द्वारा 12 फरवरी, 2013 को जारी प्रकटन विवरण के तहत आवश्यक तथ्यों का प्रकटन ज्ञात हितबद्ध

पक्षकारों को किया गया था और उन पर प्राप्त टिप्पणियों पर प्राधिकारी द्वारा संगत समझी गई सीमा तक इस जांच परिणाम में विचार किया गया है ।

द. प्राधिकारी द्वारा यह जांच 1 अप्रैल, 2010 से 30 सितंबर, 2011 तक की अवधि (जांच अवधि) के लिए की गई है । क्षति विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जांच में वर्ष 2007-08, 2008-09, 2009-10 की अवधि और जांच अवधि शामिल है ।

ध. *** यह चिन्ह इस जांच परिणाम में किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने नियमानुसार उसे गोपनीय ही माना है ।

न. प्राधिकारी ने जांच अवधि के लिए विनिमय दर.रु. 45.93 = 1 अम.डा. ली है।

ग. विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र और समान वस्तु

घरेलू उद्योग के अनुरोध

9. घरेलू उद्योग ने विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के बारे में निम्नानुसार अनुरोध किए हैं:

- i. वर्तमान जांच एक निर्णायक समीक्षा होने के कारण विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र वही रहता है जैसा कि मूल जांच में है ।
- ii. इस अवधि के दौरान कोई महत्वपूर्ण घटनाक्रम नहीं हुआ है ।

उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

10. विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र और समान वस्तु के बारे में प्रतिवादी उत्पादक/निर्यातक/अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने कोई संगत अनुरोध नहीं किया है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

11. मूल और वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में विचाराधीन उत्पाद चीन जन.गण. के मूल के या वहां से निर्यातित "वाणिज्यिक वाहनों में ट्यूब युक्त टायर अनुप्रयोग में प्रयुक्त 16" साधारण व्यास से लेकर 20" साधारण व्यास के फ्लैट बेस स्टील व्हील" (संबद्ध वस्तु) हैं। वर्तमान जांच एक निर्णायक समीक्षा होने के कारण इस जांच में वही उत्पाद शामिल हैं जो मूल जांच में शामिल था।
12. फ्लैट बेस स्टील व्हील पृथक्करणीय रिंग के साथ रिम और डिस्क का संयोजन होते हैं रिमों और डिस्कों का उत्पादन पृथक् लाइनों में किया जाता है जिन्हें व्हील का रूप देने के लिए आपस में वेल्ड किया जाता है जिसे वाहनों के एक्सलों पर चढ़ाया जाता है और वाहन को गतिशील बनाने के लिए टायरों में फिट कर दिया जाता है। वाणिज्यिक वाहनों में ट्रक, ट्रेलर, टैम्पो आदि सहित बसें, लॉरियां शामिल होती हैं। व्हील सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 87 के अंतर्गत सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के उपशीर्ष 8708.70 तथा आई टी सी एच एस वर्गीकरण के अंतर्गत "रेलवे या ट्रामवे रोलिंग स्टॉक से इतर वाहन और उनके पुर्जे तथा सहायक सामग्री" श्रेणी में वर्गीकृत हैं। तथापि, सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है।
13. वर्तमान जांच एक निर्णायक समीक्षा जांच होने के कारण और संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों पर प्राधिकारी द्वारा पूर्व में संस्तुत पाटनरोधी शुल्क लागू होने के कारण प्राधिकारी यह मानते हैं कि वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र वही रहता है जैसा कि मूल जांच में था। तथापि, किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने समीक्षा के क्षेत्र में संशोधन (कमी करने सहित) का अनुरोध करते हुए कोई संगत अनुरोध नहीं किया है।

घ. घरेलू उद्योग तथा आधार

घरेलू उद्योग के अनुरोध

14. घरेलू उद्योग के क्षेत्र और आधार के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध निम्नानुसार हैं:

- i. निर्णायक समीक्षा में घरेलू उद्योग का क्षेत्र और आधार प्रासंगिक नहीं होते हैं ।
- ii. यह आवेदन मै. कल्याणी लेमर्ज लि. और मै. व्हील्स इंडिया लि. ने दायर किया था । मै. स्टील स्ट्रिप्स व्हील्स लि., जिसने वाणिज्यिक उत्पादन जांच अवधि के दौरान शुरू किया था, ने काफी कम उत्पादन करने के बावजूद आवेदन का समर्थन किया है। घरेलू उद्योग के कि भी घटक ने संबद्ध उत्पाद का आयात नहीं किया है । अतः नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर संभावित अपात्रता का प्रश्न नहीं उठता है ।
- iii. जांच अवधि के दौरान याचिकाकर्ताओं का उत्पादन भारत में लगभग 98 प्रतिशत बनता है और इसलिए वे घरेलू उद्योग हैं ।
- iv. मैक्सियन (नानतोंग) व्हील्स कंपनी लि., चीन जन.गण. लोचपे मैक्सियन एस ए की पूर्ण स्वामित्व वाली एक सहायक कंपनी है । लोचपे मैक्सियन एस ए की एक सहायक कंपनी लोचपे होल्डिंग्स एल एल सी द्वारा फरवरी, 2012 में जांच अवधि के बाद कल्याणी हेज लेमर्ज को अधिग्रहीत कर लिया गया था । चूंकि उक्त घटनाक्रम जांच अवधि के बाद हुआ है, इसलिए यह वर्तमान जांच के लिए महत्वहीन है । इसके अलावा, मैक्सियन (नानतोंग) व्हील्स कंपनी लि., चीन जन.गण. द्वारा उत्पादित उत्पाद वर्तमान जांच के विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से बाहर है । इसके अलावा, मैक्सियन (नानतोंग) व्हील्स कंपनी लि., चीन जन.गण. द्वारा उत्पादित उत्पाद का उन्होंने जांच अवधि के दौरान निर्यात नहीं किया है ।

उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

15. घरेलू उद्योग के क्षेत्र और आधार के बारे में उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध निम्नानुसार हैं:

- i. कल्याणी लेमर्ज हेज लेमर्ज की एक सहायक कंपनी है । हेज लेमर्ज ने लोचपे होल्डिंग्स, एल एल सी के साथ एक करार पर हस्ताक्षर किए हैं जिसके तहत लोचपे द्वारा हेज लेमर्ज का अधिग्रहण किया जाएगा । अतः इस समय लोचपे नियंत्रक कंपनी है और वह हेज लेमर्ज का नियंत्रण कर रही है । वस्तुतः लोचपे द्वारा कल्याणी लेमर्ज का नियंत्रण किया जा रहा है । लोचपे की चीन जन.गण. में एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी-मैक्सियन (नानतोंग) व्हील्स कंपनी लि. है जो भी वाणिज्यिक वाहनों के व्हीलों का उत्पादन कर रही है । यह बिल्कुल स्पष्ट है कि लोचपे प्रमुख नियंत्रक

कंपनी है जबकि कल्याणी लैमर्ज और मैक्सियन (नानतोंग) उसकी सहायक कंपनियां हैं।

प्राधिकारी द्वारा जांच

16. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि कल्याणी लेमर्ज मैक्सियन (नानतोंग) व्हील्स कंपनी लि., चीन जन.गण. से संबंधित है, प्राधिकारी स्वयं संबंधित उत्पादक/निर्यातक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों से यह नोट करते हैं कि उक्त घटनाक्रम जांच अवधि के बाद हुआ है। तथापि, मैक्सियन (नानतोंग) व्हील्स कंपनी लि., चीन जन.गण. द्वारा उत्पादित उत्पाद वर्तमान जांच के विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर है। अतः प्राधिकारी नोट करते हैं कि आरोपित घटनाक्रम वर्तमान जांच के लिए प्रासंगिक नहीं है।
17. यह आवेदन मै. कल्याणी लैमर्ज लि. और मै. व्हील्स इंडिया लि. द्वारा दायर किया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु का उत्पादन मै. स्टील स्ट्रिप्स व्हील्स लि. द्वारा भी किया जा रहा है जिसने जांच अवधि के दौरान वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया है। उपर्युक्त स्थिति को देखते हुए और नियमों तथा रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह मानते हैं कि वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच के प्रयोजनार्थ मै. कल्याणी लेमर्ज लि. और मै. व्हील्स इंडिया लि. नियमों के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग हैं।

ड गोपनीयता

उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

18. विरोधी हितबद्ध पक्षकारों ने यह आरोप लगाया है कि घरेलू उद्योग ने याचिका में अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है।

घरेलू उद्योग के अनुरोध

19. इसके विपरीत घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि निर्यातक द्वारा निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर में अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया गया है।

च. प्राधिकारी द्वारा जांच

20. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के गोपनीयता के दावों की जांच की है। प्राधिकारी ने नियम 6(7) के अनुसार विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय

रूपांतरण वाली सार्वजनिक फाइल अनुरोध किए जाने पर सभी हितबद्ध पक्षकारों को निरीक्षण हेतु उपलब्ध कराई ।

21. जहां तक सूचना की गोपनीयता का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 में निम्नानुसार उपबंध है:-

- (1) नियम 6 के उप नियम (2), (3) और (7), नियम 12 के उप नियम (2), नियम 15 के उप नियम (4) और नियम 17 के उप नियम (4) में किसी बात के होते हुए भी नियम 5 के उप नियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की प्रतियों अथवा निर्दिष्ट प्राधिकारी को जांच के दौरान किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त किसी अन्य सूचना को निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा उसकी गोपनीयता के बारे में संतुष्ट होने के बाद उसके द्वारा गोपनीय माना जाएगा और ऐसी किसी सूचना का प्रकटन ऐसी सूचना प्रदाता पक्षकार के विशिष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को नहीं किया जाएगा ।
- (2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय आधार पर सूचना प्रदाता पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने की अपेक्षा कर सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रदाता पक्षकार की राय में ऐसी सूचना का सारांश संभव नहीं है तो ऐसा पक्षकार ऐसे कारणों का एक विवरण निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत कर सकता है कि सारांशीकरण क्यों संभव नहीं है ।
- (3) उप-नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हो जाते हैं कि गोपनीयता का अनुरोध अपेक्षित नहीं है या सूचना प्रदाता उक्त सूचना को सार्वजनिक करने अथवा सामान्यीकृत रूप में या सारांश रूप में उसके प्रकटन को प्राधिकृत करने का इच्छुक नहीं है तो वह ऐसी सूचना की अनदेखी कर सकते हैं ।

22. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों की गोपनीयता के दावों की जांच की और संतुष्ट होने के उपरांत गोपनीयता से संबंधित दावे की अनुमति प्रदान की ।

छ. विविध अनुरोध

उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विविध अनुरोध

23. उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित विविध अनुरोध किए गए हैं:

- i. संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लागू करने की वैधता अभी भी विवादास्पद है और इसका माननीय उच्चतम न्यायालय ने अंतिम रूप से निपटान नहीं किया है । अतः माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा अपील का अंतिम निपटान किए जाने तक डी जी ए डी द्वारा वर्तमान जांच का कार्य रोक दिया जाए ।
 - ii. निर्णायक समीक्षा जांच की शुरुआत दोषपूर्ण है क्योंकि यह घरेलू उद्योग द्वारा दायर अत्यंत अपर्याप्त और गलत याचिका पर आधारित है ।
 - iii. यदि घरेलू उद्योग को पिछले 5 वर्षों में सतत पाटन से वास्तव में क्षति हुई होती तो वह शुल्क वृद्धि हेतु एम टी आर को तरजीह दे सकता था । चूंकि घरेलू उद्योग ने एम टी आर के जरिए निवारक कार्रवाई नहीं की है, इसलिए उसने निर्णायक समीक्षा जांच मामले में सतत पाटन का दावा करने का अपना अधिकार खो दिया है ।
 - iv. याचिकाकर्ता ने यह खुलासा नहीं किया है कि जनतास, तुर्की कल्याणी लेमर्ज की एक संबद्ध कंपनी है और उसने इस जांच में सहयोग नहीं किया है । अतः याचिकाकर्ता के संबद्ध पक्षकार जनतास, तुर्की के आंकड़ों पर प्राधिकारी द्वारा भरोसा नहीं किया जा सकता ।
24. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित विविध अनुरोध किए हैं:
- i. विरोधी हितबद्ध पक्षकारों के इन तर्कों का कोई कानूनी आधार नहीं है कि चीन जन.गण. से स्टील व्हील के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लागू रखने की वैधता अभी भी विवादास्पद है और उसका माननीय उच्चतम न्यायालय ने अंतिम निपटान नहीं किया है और इसलिए माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा अपील का अंतिम निपटान किए जाने तक डी जी ए डी वर्तमान जांच करने को रोक दें । माननीय उच्चतम न्यायालय या किसी अन्य उच्चतर प्राधिकारी द्वारा इस आशय का कोई निर्देश नहीं है ।
 - ii. घरेलू उद्योग ने याचिका में पर्याप्त सूचना उपलब्ध कराई है और यह भ्रामक नहीं है ।

- iii. जहां तक विरोधी हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क का संबंध है कि ट्यूबलैस टायरों के लिए स्टील व्हीलों पर विचाराधीन उत्पाद के भाग के रूप में विचार नहीं किया जा सकता, यह अनुरोध किया जाता है कि याचिकाकर्ताओं में आयातों की मात्रा और मूल्य के निर्धारण में ट्यूबलैस टायरों के लिए स्टील व्हीलों पर विचार नहीं किया है ।
- iv. विरोधी हितबद्ध पक्षकार एक ओर प्रतिनिधिक देश के रूप में तुर्की पर विचार करने का विरोध कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर संगत सूचना के अभाव का उल्लेख कर रहे हैं ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

25. प्राधिकारी द्वारा हितबद्ध पक्षकारों के संगत विविध अनुरोधों की जांच की गई है और उन पर निम्नानुसार कार्रवाई की गई है:
- i. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की वैधता अभी भी विवादास्पद है और उसका माननीय उच्चतम न्यायालय ने अंतिम निपटान नहीं किया है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध जांच करने और उसे पूरा करने के लिए प्राधिकारी पर कोई प्रतिबंध नहीं है ।
- ii. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि घरेलू उद्योग ने इस बात का खुलासा नहीं किया है कि जनटास, तुर्की कल्याणी लेमर्ज की संबंधित पक्षकार है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि तुर्की एक संबद्ध देश नहीं है और चीन जन.गण.के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण में प्राधिकारी ने तुर्की की कीमत पर भरोसा नहीं किया है जैसा कि घरेलू उद्योग ने सुझाव दिया था । प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि जनटास, तुर्की के साथ कल्याणी लेमर्ज के संबंध का मुद्दा किसी उपयोग का नहीं है जैसा कि पूर्ववर्ती जांच में पर्याप्त विचार किया गया है ।
- iii. प्राधिकारी ने केवल विचाराधीन उत्पाद के संबंध में डी जी सी आई एंड एस के आयात आंकड़ों पर भरोसा किया है ।

ज. प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्णायक समीक्षा हेतु आवेदन दायर करने के लिए घरेलू उद्योग पर कोई कानूनी प्रतिबंध नहीं है क्योंकि उन्होंने मौजूदा पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा को तरजीह नहीं दी है ।

अ. न्यूनतम सीमा

26. प्राधिकारी द्वारा वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय .

अ. पाटन मार्जिन, सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण**बाजार अर्थव्यवस्था के दावों की जांच**

27. वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में मै. झेनजिंग व्हील ग्रुप कं. लि., चीन जन.गण., जिसे पूर्ववर्ती जांचों में प्राधिकारी ने गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली कंपनी माना था, ने एमईटी प्रश्नावली का उत्तर दायर कर बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार का दावा किया है ।
28. जांच की शुरुआत के चरण पर प्राधिकारी ने चीन जन.गण की गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मानने के अनुमान पर कार्यवाही की थी । जांच शुरुआत के बाद प्राधिकारी ने चीन के उत्पादकों/निर्यातकों को जांच शुरुआत संबंधी सूचना का उत्तर देने और अपने बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के निर्धारण हेतु संगत सूचना प्रदान करने की सलाह दी । नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(3) में निर्धारित मानदंडों के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का खंडन करने के लिए प्राधिकारी ने सभी ज्ञात निर्यातकों को एम ई टी प्रश्नावली की प्रतियां भेजीं । प्राधिकारी ने चीन सरकार से यह भी अनुरोध किया कि वे संगत सूचना प्रदान करने के लिए अपने देश के उत्पादकों/निर्यातकों को सलाह दें ।
29. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैराग्राफ 8 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का उस स्थिति में खंडन किया जा सकता है यदि चीन के निर्यातक (निर्यातकों) द्वारा पैराग्राफ 8 के उप पैरा(3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराते हैं और उसके विपरीत सिद्ध करते हैं । चीन जन.गण. के संबद्ध वस्तु के निर्यातकों/उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार विषयक प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप पैरा (3) में उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करना अपेक्षित है ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मापदंडों पर विचार कर सकें कि क्या:-
- कच्ची सामग्रियों सहित कीमत; लागत और निविष्टि तथा श्रम लागत, उत्पादन, बिक्रियां और निवेश के बारे में चीन जन.गण. में संबंधित फर्मों का निर्णय ऐसे बाजारी संकेतों के अनुसार किया जाता है जिसमें आपूर्ति और मांग परिलक्षित होती है और इस

- बारे में राज्य का अधिक हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होते हैं;
- ii. इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेषकर परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बड़े खातों, वस्तु विनिमय-व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से हुई महत्वपूर्ण विकृतियों के अध्यधीन है;
 - iii. इस प्रकार की फर्मों में दिवालियापन और संपत्ति कानूनों के अध्यधीन हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और
 - iv. विनिमय दर का परिवर्तन बाजार की दर पर किया जाता है।

घरेलू उद्योग के अनुरोध

30. घरेलू उद्योग के अनुरोध निम्नानुसार हैं:

- i. मूल और समीक्षा जांच के बाद वास्तविक कार्य प्रणाली समान रहती है। चीन की कंपनियों को बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार का पात्र नहीं माना जाना चाहिए।
- ii. चीन की प्रतिवादी कंपनी ने अपनी कानूनी हैसियत में कई परिवर्तन किए हैं। यहां तक कि पूर्व में यह राज्य के स्वामित्व वाला संयंत्र था। यदि हां, तो जिस प्रक्रिया के तहत राज्य के स्वामित्व वाले ऐसे संयंत्र को निजी कंपनियों द्वारा अधिग्रहीत किया गया है, वह प्रक्रिया बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान करने के लिए प्रमुख मुद्दा बन गई है।
- iii. चूंकि संबद्ध वस्तु से जुड़ी सहायक कंपनियों द्वारा प्रश्नावली का कोई उत्तर दायर नहीं किया गया है, इसलिए प्रतिवादी कंपनी द्वारा दायर समूचे उत्तर को रद्द किया जाना अपेक्षित है। यदि निर्यातक और उसकी सहायक कंपनियों द्वारा घरेलू बाजार में उत्पाद की बिक्री की जा रही है तो सामान्य मूल्य की सही पुष्टि तब तक नहीं की जा सकती जब तक कि प्राधिकारी द्वारा ऐसी कंपनियों की जांच नहीं की जाती।

- iv. कच्ची सामग्री/उपयोगिताओं की कीमत पर भरोसा नहीं किया जा सकता क्योंकि इनकी खरीद संबंधित पक्षकारों और राज्य की स्वामित्व वाली कंपनियों से की जाती है ।
- v. सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु तुर्की को बाजार अर्थव्यवस्था वाला तीसरा देश माना जा सकता है ।
- vi. घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त कच्ची सामग्री की खपत कीमत संबंधी विवरण पर आवश्यक कीमत समायोजनों के बाद कच्ची सामग्री की अंतर्राष्ट्रीय कीमत के रूप में विचार किया जाना चाहिए ।

उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

31. मै. झेंगजिंग व्हील्स ग्रुप कंपनी लि., चीन.जन.गण. और अन्य हितबद्ध पक्षकार के अनुरोध निम्नानुसार हैं:
 - i. मै. झेंगजिंग व्हील्स ग्रुप कंपनी लि., चीन जन.गण. एक बाजार अर्थव्यवस्था वाली कंपनी है और इसलिए उसका पाटन मार्जिन उसके द्वारा प्रदत्त आंकड़ों पर आधारित होना चाहिए । मै. झेंगजिंग व्हील्स ग्रुप कंपनी लि. एक पूर्ण स्वामित्व वाला विदेशी उद्यम है जिसमें राज्य का कोई हस्तक्षेप नहीं है ।
 - ii. एच आर क्वायलों के सभी आपूर्तिकर्ता राज्य के स्वामित्व में हैं और इसलिए ए आर क्वायल को ऐसे आपूर्तिकर्ता से लेना होता है । तथापि, कच्ची सामग्री और उपयोगिताओं की खरीद निकटवर्ती कीमतों पर की जाती है ।
 - iii. उपयोगिताओं पर सामान्य प्रचलित बाजार दर प्रभारित की जाती है न कि कोई सब्सिडीशुदा दर । यह कंपनी चीन के सिविल प्रक्रिया कानून के अधीन है ।
 - iv. घरेलू उद्योग का यह तर्क गलत है कि सभी सहायक कंपनियों को उत्तर दायर करना चाहिए था भले ही तथ्य यह रहा हो कि उन्होंने संबद्ध वस्तु का भारत को निर्यात किया है या नहीं ।

- v. घरेलू उद्योग ने यह प्रस्ताव किया है कि तुर्की को बाजार अर्थव्यवस्था वाला तीसरा देश माना जाए । तुर्की की कंपनी द्वारा सहयोग के बिना घरेलू उद्योग के प्रस्ताव को सिरे से रद्द किए जाने की जरूरत है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

32. प्राधिकारी ने मूल जांच के अंतिम जांच परिणाम में मै. झेंगजिंग व्हील ग्रुप कंपनी लि., चीन जन.गण. को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान नहीं किया था । मै. झेंगजिंग व्हील ग्रुप कंपनी लि., चीन जन.गण. के गैर बाजार दर्जे की पुष्टि भी प्राधिकारी ने सेस्टेट द्वारा मामला वापसी से संबंधित अंतिम जांच परिणाम में की थी ।

33. मूल जांच में प्राधिकारी द्वारा पुष्टिकृत और सेस्टेट द्वारा मामला वापसी से संबंधित जांच परिणाम में प्राधिकारी द्वारा पुनः पुष्टिकृत मै. झेंगजिंग व्हील ग्रुप कंपनी लि. के गैर-बाजार दर्जे के बावजूद मै. झेंगजिंग व्हील ग्रुप कंपनी लि., ने वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में एक बार फिर बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार का दावा किया । प्राधिकारी ने वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में मै. झेंगजिंग व्हील ग्रुप कंपनी लि. के एम ई टी दावे की जांच की और उसका सत्यापन किया । इस बारे में प्राधिकारी का अभिमत निम्नानुसार है:

- i. मै. झेंगजिंग व्हील ग्रुप कंपनी लि., चीन जन.गण. (उत्पादक/निर्यातक) ने हांगकांग आधारित एक कंपनी मै. चायना व्हील लि. की *** % सहायक कंपनी होने का दावा किया जो बाद में मै. चायना जेनिक्स ऑटो इंट. लि., जिसके बारे में ब्रिटिश वर्जीनिया आइलैंड्स की एक विदेशी कंपनी होने का दावा किया गया है, की *** % सहायक कंपनी है । मै. चायना जेनिक्स आटो इंट. लि., *** % शेयरों वाली मै. न्यू रेस लिमिटेड और ***% शेयर वाली मै. रिचबर्ग होल्डिंग्स के स्वामित्व में है । शेष *** % शेयरों के बारे में यह बताया गया था कि वे जनता द्वारा धारित हैं । मै. लेफेन चू की *** % स्वामित्व वाली मै. न्यू रेस लि. ने हांगकांग के निवासी होने का दावा किया । रिचबर्ग होल्डिंग्स ने बताया कि वह तीन निवेश कंपनियों अर्थात् मै. रिच वाइज इन्वेस्टमेंट फाइनेंसियल लि. (*** %), रिच वाइज कैपिटल इंट. लि. (*** %) और आई एम वी एसोसिएट लि. (*** %) द्वारा धारित है । सत्यापन के दौरान कंपनी मै. रिचवाइज इन्वेस्टमेंट फाइनेंसियल लि., रिचवाइज कैपिटल इंट. लि. और आई एम वी एसोसिएट्स लि. के स्वामित्व और कार्यकलापों के बारे में आगे कोई सूचना/दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा सकी ।
- ii. यद्यपि, संबद्ध उत्पादक/निर्यातक ने यह दावा किया कि मै. चायना जेनिक्स ऑटो इंट. लि. केवल एक व्यापारिक कंपनी है और वह संबद्ध वस्तु में शामिल

नहीं है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि चायना जेनिक्स ऑटो इंट लि. के नाम का उपयोग झेंगजिंग व्हील ग्रुप कंपनी लि. के साथ अदल-बदल कर किया जाता है । इसके अलावा, सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध चायना जेनिक्स ऑटो इंट लि. की वार्षिक रिपोर्ट में कंपनी ने झेंगजिंग व्हील ग्रुप कंपनी लि. और उसकी सहायक कंपनियों के निष्पादन के साथ-साथ उनके निर्यातों का दावा अपने खुद के निष्पादन के रूप में किया है ।

iii. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कंपनी की चीन के 5 अलग-अलग स्थानों पर 5 सहायक कंपनियां अर्थात् झेंगजिंग ग्रुप लाफांग व्हील कंपनी लि., झेंगजिंग ग्रुप बैक्सी व्हील कंपनी लि., झेंगजिंग ग्रुप चेंगडू व्हील कंपनी लि., झेंगजिंग ग्रुप हेफाई व्हील कंपनी लि. और हुआन झेंगजिंग व्हील कंपनी लि. हैं जो संबद्ध वस्तु से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ी हैं । प्रतिवादी कंपनी ने यह स्वीकार किया है कि झेंगजिंग ग्रुप लाफांग व्हील कंपनी लि., झेंगजिंग ग्रुप हेफाई व्हील कंपनी लि. और झेंगजिंग ग्रुप चेंगडू व्हील कंपनी लि. संबद्ध वस्तु के उत्पादन और उसकी बिक्री में शामिल हैं, हालांकि उन्होंने भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात नहीं किया है । संबद्ध वस्तु में शामिल होने के बावजूद सहायक कंपनियों ने उत्तर दायर नहीं किया है ।

iv. प्रतिवादी कंपनी को श्री लाई जियान हुई के सहयोग से चीन जन.गण. की सरकार द्वारा सामूहिक उद्यम के रूप में मूल रूप से स्थापित किया गया माना गया था परंतु कंपनी दस्तावेजी साक्ष्य के साथ इस बात की पुष्टि नहीं कर सकी कि चीन जन.गण. की सरकार ने एकल प्रोपराइटर के रूप में सामूहिक उद्यम के अधिग्रहण हेतु श्री लाई जियानहुई का चयन करते समय खुली बोली और सार्वजनिक चयन की प्रक्रिया का पालन किया था ।

v. इसके अलावा, कंपनी दस्तावेजी साक्ष्य के साथ इस बात की पुष्टि नहीं कर सकी कि श्री लाई जियानहुई जो वर्ष 1988 में पिंघे आटोमोबाइल टायर एंड बाइस्किल रिपेयर डिपो में मात्र एक प्रबंधक था, उसने इतना बड़ा कारोबार खड़ा करने के लिए वित्तीय संसाधनों को कैसे जुटाया और ग्रुप का अध्यक्ष कैसे बन गया । कंपनी दस्तावेजी साक्ष्य के साथ इस बात की भी पुष्टि नहीं कर सकी कि इन वर्षों के दौरान कंपनी में हुए परिवर्तन खुली बाजारी प्रक्रिया और सिद्धांतों के अनुसार थे ।

vi. निर्यातक के उत्तर में कंपनी ने यह दावा किया कि उसने सरकार से कोई अनुदान/प्रोत्साहन नहीं किया है । परंतु मै. चायना जैनिक्स ऑटो इंट. लि. के वार्षिक लेखों से यह पता चलता है कि उसने एक नए संयंत्र के निर्माण हेतु चीन सरकार से *** मिलियन आर एम बी के अनुदान सहित भारी मात्रा में सरकारी अनुदान/सब्सिडी प्राप्त की है । तथापि, कंपनी यह स्पष्ट नहीं कर

सकी कि कोई कंपनी इस प्रकार के अनुदानों/प्रोत्साहनों के साथ कोई निजी कंपनी या कोई विदेशी उद्यम होने का दावा कैसे कर सकती है ।

- vii. अपनी ***% स्वामित्व वाली सहायक कंपनी अर्थात् मै. इंगर्जिंग ग्रुप लाफांग व्हील कंपनी लि., जो संबद्ध वस्तु से भी जुड़ी हुई है, से कंपनी द्वारा खरीदी गई रिमों की कीमत असंबद्ध स्रोतों से की गई खरीद की तुलना में लगभग ***% कम थी । इस पहलू को स्पष्ट करने के लिए कहे जाने पर कंपनी दस्तावेजी साक्ष्य के साथ कोई स्पष्टीकरण उपलब्ध नहीं करा सकी ।
- viii. कंपनी ने प्रमुख कच्ची सामग्री (एच आर क्वायल आदि) की खरीद मुख्यतः राज्य की स्वामित्व वाली कंपनियों से की है । कंपनी से यह कहा गया था कि वह दस्तावेजों के साथ इस बात को न्यायोचित ठहराए कि राज्य के स्वामित्व वाले स्रोतों से खरीदे गए एच आर क्वायल और अन्य कच्ची सामग्री की खरीद कीमत प्रचलित अंतर्राष्ट्रीय बाजार कीमतों से किस प्रकार तुलनीय है । कंपनी इस बारे में कोई संतोषजनक ब्यौरा/दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा सकी ।
- ix. मै. जैनिक्स ऑटो इंटरनेशनल की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार यह ग्रुप अन्य के लिए लागू 25% दर की तुलना में 10 % की अधिमानी आयकर दर का लाभ उठाता है । इस ग्रुप को चीन सरकार द्वारा प्रदत्त ऐसे अधिमानी व्यवहार को न्यायोचित ठहराने के लिए कहे जाने पर कंपनी कोई संतोषजनक कारण नहीं दे सकी ।
- x. कंपनी ने सरकारी और निजी स्रोतों से ऋण प्राप्त किया परंतु संतोषजनक ढंग से इस बात की पुष्टि नहीं कर सकी कि ऐसे सभी ऋणों को प्रचलित बैंक दरों के अनुसार ब्याज सहित चुकता कर दिया गया है ।
- xi. कंपनी प्रतिवादी कंपनी और संबद्ध वस्तु से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ी संबद्ध कंपनियों में निवेशकों/शेयरधारकों के निधि के स्रोत का दस्तावेजी साक्ष्य के साथ पुष्टि नहीं कर सकी ।

34. प्राधिकारी द्वारा सत्यापन रिपोर्ट संबंधित उत्पादक/निर्यातक के पास टिप्पणियों के लिए भेजी गई थी । प्राधिकारी ने इस संबंध में प्रतिवादी कंपनी द्वारा की गई टिप्पणियों/अनुरोधों की जांच की और यह नोट किया कि कंपनी ने कंपनी की स्थापना और उसके ढांचे में परिवर्तन, प्रचलित अंतर्राष्ट्रीय बाजार कीमतों से तुलनीय कीमत पर प्रमुख कच्ची सामग्री और उपयोगिताओं की खरीद, निवेशकों और शेयरधारकों की निधियों के स्रोत, सरकारी स्रोत से कंपनी द्वारा प्राप्त पर्याप्त अनुदान/सब्सिडियों, आयकर और सरकारी उधार के भुगतान के मामलों में कंपनी को प्राप्त अधिमानी व्यवहार, संबद्ध वस्तु का उत्पादन करने वाली और घरेलू बाजार में उनकी बिक्री करने वाली सहायक कंपनियों द्वारा उत्तर न दायर किए जाने आदि के बारे में प्राधिकारी के अधिकांश अभिमतों के लिए दस्तावेजों के साथ

पुष्टिकृत कोई संतोषजनक टिप्पणी उपलब्ध नहीं कराई है । उपर्युक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह मानते हैं कि मै. झेंगजिंग व्हील ग्रुप कंपनी लि., चीन जन.गण. गैर बाजारी स्थितियों में प्रचालनरत है और इसलिए मै. झेंगजिंग व्हील ग्रुप कंपनी लि., चीन जन.गण. को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया जाता है ।

ट. चीन जन.गण.के लिए सामान्य मूल्य

35. चूंकि प्राधिकारी ने इस जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ प्रतिवादी उत्पादक/निर्यातक को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान नहीं किया है, इसलिए सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-7 के आधार पर किया गया है । पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में उपबंध है कि :

गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा, जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदत्त अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिसमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी । निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा । जहां उचित हो उचित समयसीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा । जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी अनुचित विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी ।

36. उपर्युक्तानुसार, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में लागत या कीमत के आधार पर करना अपेक्षित होता है । जहां तक घरेलू उद्योग के इस अनुरोध का संबंध है कि तुर्की पर चीन जन.गण. हेतु एक उचित प्रतिनिधिक बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के रूप में विचार किया जाना चाहिए, प्रतिवादी निर्यातक ने यह तर्क दिया है कि आर्थिक विकास के अलग-अलग स्तरों को ध्यान में रखते हुए सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु तुर्की पर प्रतिनिधिक देश के रूप में विचार नहीं किया जाना चाहिए । प्राधिकारी नोट करते हैं कि

नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार किसी उचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश का चयन करते समय बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के विकास के स्तर पर विधिवत ध्यान दिया जाना चाहिए। चीन जन.गण. और तुर्की के बीच आर्थिक विकास के अलग-अलग स्तरों और संबद्ध उत्पाद के विकास के स्तर को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी तुर्की पर चीन जन.गण. हेतु एक उचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के रूप में विचार नहीं करते हैं और उन्होंने भारत उत्पादन लागत के आधार पर सामान्य मूल्य का परिकलन किया है।

37. उपर्युक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए वर्तमान जांच में प्राधिकारी द्वारा सामान्य मूल्य का परिकलन प्रमुख कच्ची सामग्री की अंतर्राष्ट्रीय कीमत, खपत मानक, परिवर्तन लागत और सर्वाधिक कुशल घरेलू उत्पादक के एस जी ए व्यय को हिसाब में लेते हुए और ब्याज को छोड़कर बिक्री लागत की 5% की दर से उचित लाभ मार्जिन जोड़कर किया गया है।

ठ. निर्यात कीमत

मै. झेंगजिंग व्हील ग्रुप कंपनी लि., चीन जन.गण.

38. मै. झेंगजिंग व्हील ग्रुप कंपनी लि., चीन जन.गण. (उत्पादक/निर्यातक) चीन जन.गण. की एकमात्र ऐसी प्रतिवादी कंपनी है जिसने प्रश्नावली का उत्तर दायर किया है। प्राधिकारी ने मै. झेंगजिंग व्हील ग्रुप कंपनी लि. द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों का सत्यापन किया और वे यह नोट करते हैं कि कंपनी ने जांच अवधि के दौरान *** अम.डॉ. के एफ ओ बी मूल्य पर संबद्ध वस्तु के *** सैटों (*** किग्रा.) का निर्यात किया है। अंतरदेशीय भाड़े, बैंक प्रभारों और ऋण लागत के कारण दावा किए गए समायोजनों को प्राधिकारी ने मौके पर सत्यापन के दौरान किए गए सत्यापन के बाद स्वीकार किया है। प्राधिकारी द्वारा निकाले गए निवल निर्यात कीमत *** अम.डॉ./किग्रा. बनती है।

चीन जन.गण. के अन्य निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

39. चूंकि किसी अन्य निर्यातक/उत्पादक ने ऐसी कोई सूचना प्रदान नहीं की है जिसका प्रयोग निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु किया जा सकता है, प्राधिकारी ने रिकॉर्ड में "उपलब्ध तथ्यों" के आधार पर चीन जन.गण. के अन्य निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण किया है। प्राधिकारी द्वारा निकाली गई निवल निर्यात कीमत *** अम.डॉ./किग्रा. बनती है।

ड पाटन मार्जिन

40. ऊपर यथानिर्धारित सामान्य मूल्य और कारखाना निर्यात कीमत की तुलना करते हुए प्राधिकारी द्वारा संबद्ध देश के उत्पादकों/निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है :-

विवरण	झेजियांग व्हील ग्रुप कं. लि.	अन्य चीनी उत्पादक/निर्यातक
सामान्य मूल्य अम.डॉ./किग्रा.	***	***
निवल निर्यात कीमत अम.डॉ./किग्रा.	***	***
पाटन मार्जिन अम.डॉ./किग्रा.	***	***
प्रति किग्रा. पाटन मार्जिन (%)	***	***
प्रति किग्रा. पाटन मार्जिन रेंज %	60-70	80-90

ढ. क्षति एवं कारणात्मक संबंध**घरेलू उद्योग के अनुरोध**

41. क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में घरेलू उद्योग ने निम्नानुसार अनुरोध किए हैं:

- चीन से विचाराधीन उत्पाद का सतत पाटन हो रहा है ।
- वर्तमान पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद के पाटन में तेजी लाए जाने की संभावना है ।
- लागू वर्तमान पाटनरोधी शुल्क के बावजूद आयात मात्रा में समग्र रूप में वृद्धि हुई है ।
- मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद आयात मात्रा में भारत में उत्पादन और खपत की तुलना में हुई वृद्धि काफी अधिक है ।
- लागू पाटनरोधी शुल्क सहित और रहित कीमत कटौती अत्यंत सकारात्मक है ।

- vi. मालसूची, बाजार हिस्से, लाभ, निवेश पर आय, नकद प्रवाह के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई^६ ।
- vii. मांग में आए परिवर्तनों की तुलना करने पर उत्पादन, क्षमता उपयोग, घरेलू बिक्री के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई है ।
- viii. यद्यपि, घरेलू उद्योग अपने उत्पादन और बिक्री मात्रा में कुछ हद तक सुधार कर सकता था, तथापि यह वृद्धि भारत में हुई वृद्धि के अनुपात में नहीं थी । इसके अलावा, घरेलू उद्योग पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद भी लाभ कमाने में असमर्थ रहा था ।
- ix. घरेलू उद्योग पाटन के पिछले कुप्रभावों से अभी उबरा नहीं है और पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने से घरेलू उद्योग को भविष्य में होने वाली क्षति में ही वृद्धि होगी ।
- x. घरेलू उद्योग को उसकी संपूर्ण क्षमता का उपयोग करने से वंचित किया गया है ।
- xi. इस अवधि के दौरान उत्पादन लागत और बिक्री कीमत दोनों में वृद्धि हुई । तथापि, बिक्री कीमत में हुई वृद्धि उत्पादन लागत में हुई वृद्धि से कम है । अतः आयातों के कारण बाजार में कीमतों का न्यूनीकरण हो रहा है ।
- xii. घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग में कोई खास सुधार प्रदर्शित नहीं हुआ है । तथापि, घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आई है ।
- xiii. पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के कारण घरेलू उत्पादकों के बाजार हिस्से में अत्यधिक वृद्धि होनी चाहिए थी । पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद घरेलू उद्योग को खोए हुए अपने बाजार हिस्से को प्राप्त कर लेना चाहिए था । लेकिन घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में आगे और गिरावट आ गई ।
- xiv. बढ़ती हुई मांग और घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत ऐसी कम कीमतों के बावजूद मालसूचियों में वृद्धि हुई है । बिक्री मात्रा में बड़ोत्तरी देश में मांग के अनुपात में नहीं हुई है जबकि घरेलू उद्योग को मांग में वृद्धि दर से आगे उसकी बिक्री में वृद्धि होने की आशा थी ।
- xv. घरेलू उद्योग पाटन के पिछले कुप्रभावों से उबरने में समर्थ नहीं हुआ है । वस्तुतः निष्पादन में आगे और गिरावट आई है ।

- xvi. जहां तक विरोधी हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क का संबंध है कि अधिकांश आर्थिक संकेतकों से घरेलू उद्योग के निष्पादन में पर्याप्त सुधार होने का पता चलता है, यह अनुरोध किया जाता है कि उक्त तर्क निराधार है । इसके विपरीत बाजार हिस्से, लाभ, निवेश पर आय, नकद प्रवाह के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में भारी गिरावट आई है जिससे सामूहिक तथा संचयी रूप से इस बात की पुष्टि होती है कि घरेलू उद्योग को क्षति हुई है ।
- xvii. विचाराधीन उत्पादन की मांग में 39 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जबकि आयातों में 142% की वृद्धि हुई है और घरेलू उद्योग की बिक्री में केवल 19% की वृद्धि हुई है । विदेशी उत्पादकों को देश में कोई विशेष विशेषाधिका प्राप्त स्थिति हासिल नहीं है जिसमें वे मांग में केवल 39% की वृद्धि होने पर मात्रा में 142% की वृद्धि कर सकें जिसकी वजह से घरेलू उद्योग मांग में हुई वृद्धि की सीमा तक अपना प्रचालन बढ़ाने से वंचित हुआ है ।
- xviii. जहां तक इस तर्क का संबंध है, कि आयातों में वृद्धि मांग-आपूर्ति में अंतर के कारण हुई है, यह अनुरोध किया जाता है कि आयातों में वृद्धि वस्तुतः निर्यातक द्वारा पाटनरोधी शुल्क खपाने के कारण हुई है ।
- xix. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा क्षमता में की गई वृद्धि का उत्पाद की लागत और निवेश पर आय पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ेगा, यह अनुरोध किया जाता है कि लगाई गई पूंजी में ऐसी कोई असामान्य वृद्धि नहीं हुई है ।
- xx. मूल जांच में कारणात्मक संबंध की पुष्टि की जा चुकी है । वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात की जांच करनी है कि क्या पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने से पाटन और क्षति जारी रहेगी या उसकी पुनरावृत्ति होगी ।
- xxi. निम्नलिखित मापदंडों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है और इससे कारणात्मक संबंध की पुष्टि होती है:
- (क) संबद्ध देश से आयातों में समग्र रूप में वृद्धि हुई है जिससे घरेलू उद्योग प्रत्याशित स्तर तक वृद्धि करने से वंचित हुआ है ।
- (ख) क्षति अवधि के दौरान चीन के बाजार हिस्से में वृद्धि प्रदर्शित हुई है । परिणामतः घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है ।

- (ग) लागू पाटनरोधी शुल्क जोड़ने के बाद भी चीन से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमत में कटौती हो ही है ।
- (घ) घरेलू उद्योग की लाभप्रदता और परिणामतः निवेश पर आय तथा नकद लाभ की स्थिति खराब हुई है ।
- (ङ) आयात अभी भी पाटित कीमतों पर जारी हैं और इसके अलावा, पाटित आयातों की मात्रा जांच अवधि में अत्यधिक उच्च स्तर पर रही है । अतः पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद ऐसी स्थिति बने रहने से क्षति की संभावना का स्पष्ट संकेत मिलता है ।
- (च) घरेलू उद्योग संबद्ध वस्तु के पाटन से लगातार क्षति का सामना कर रहा है । तथापि, इस बात पर विश्वास करने का कोई कारण या औचित्य नहीं है कि शुल्क समाप्त किए जाने से घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति के साथ पाटन में वृद्धि नहीं होगी या वह जारी नहीं रहेगा ।
- (छ) विचाराधीन उत्पाद का आयात व्हील, व्हील रिम, व्हील डिस्क, व्हील डिस्क और रिम के संयोजन आदि जैसे अलग-अलग नामों के बहाने भी किया जाता है । अतः ऐसे आयातों को आयात आंकड़ों से अलग नहीं रखा जाना चाहिए ।

उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

42. घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बारे में उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध निम्नानुसार हैं:

- i. घरेलू उद्योग द्वारा दायर याचिका गलत और भ्रामक है । याचिका में प्रदत्त आंकड़ों और क्षमता, उत्पादन और मालसूची की अद्यतित सूचना में भारी अंतर है ।
- ii. अनुच्छेद 3.4 में उल्लिखित अधिकांश आर्थिक संकेतकों से घरेलू उद्योग के निष्पादन में व्यापक सुधार का पता चलता है ।
- iii. घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त क्षमता उपयोग समूचे संयंत्र के लिए है न कि विचाराधीन उत्पाद के लिए ।

- iv. प्रति इकई बिक्री मात्रा और बिक्री कीमत में भी वृद्धि हुई है । मालसूची में कमी आई है ।
- v. वर्ष 2008-09 में संबद्ध वस्तु की मांग में वैश्विक मंदी के कारण प्रतिकूल प्रभाव पड़ा था । अतः वर्ष 2008-09 में मांग में आई गिरावट को घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच करते समय या तो समायोजित करना या फिर उसकी अनदेखी करना अपेक्षित है ।
- vi. आयातों में मांग में वृद्धि तथा घरेलू प्रयोक्ताओं की मांग को समय पर पूरा करने में याचिकाकर्ताओं की असमर्थता के कारण वृद्धि प्रदर्शित हुई है ।
- vii. क्षमता विस्तार को ध्यान में रखते हुए लागत और निवेश पर आय को सामान्यीकृत किया जाए ।
- viii. जांच अवधि के दौरान उत्पादन, बिक्री मात्रा, बिक्री मूल्य और मालसूची में पर्याप्त सुधार प्रदर्शित होता है ।
- ix. याचिकाकर्ता ने कीमत कटौती की गलत गणना की है ।
- x. वर्ष 2009-10 में घरेलू उद्योग की बिक्री में लगभग 50% की वृद्धि हुई और जांच अवधि के दौरान उसमें आगे और 25% की वृद्धि हुई । इसकी तुलना में आयातों में 2009-10 के दौरान केवल 28% और जांच अवधि के दौरान 29% की वृद्धि हुई है । अतः जहां घरेलू उद्योग की बिक्रियों ने 2009-10 में एक बड़ा हिस्सा हासिल किया है, वहीं जांच अवधि के दौरान आयातों और घरेलू उद्योग के बीच प्रतिस्पर्धा स्वस्थ रही है । यदि घरेलू उद्योग प्रतिस्पर्धा के कारण क्षति के खतरे की आशंका करता है तो इसके लिए आयातों को दोष नहीं दिया जा सकता है ।
- xi. क्षति विश्लेषण गैर-विचाराधीन उत्पाद से विचाराधीन उत्पाद को अलग करने के बाद किया जाना चाहिए ।
- xii. यद्यपि, व्हील्स इंडिया की वार्षिक रिपोर्ट में केवल विचाराधीन उत्पाद से संबंधित सूचना नहीं है, तथापि, व्हील्स इंडिया वर्ष 2011-12 के दौरान अब तक की सबसे अधिक बिक्री करने और लाभ कमाने में समर्थ रही है जो जांच अवधि का एक प्रमुख भाग है । इसके अलावा, जांचोत्तर अवधि में व्हील्स इंडिया की शेयर कीमत में भारी वृद्धि हुई है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

43. अनुबंध-II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम-11 में यह उपबंध है कि किसी क्षति जांच में "... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत कारकों को ध्यान में रखते हुए " ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता चल सकता हो । कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात पर विचार करना आवश्यक है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती ।"
44. भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि जैसे संकेतकों पर उपर्युक्त नियमावली के अनुबंध-II के अनुसार विचार किया गया है ।
45. वर्तमान जांच लागू पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा है । नियम 23 में यह उपबंध है कि समीक्षा के मामले में भी नियम 11 के उपबंध आवश्यक परिवर्तनों के साथ लागू होंगे । अतः प्राधिकारी ने अनुबंध-II के साथ पठित नियम 11 के उपबंधों में आवश्यक परिवर्तनों के साथ विचार करते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण किया है । इसके अलावा, चूंकि विचाराधीन उत्पाद के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, इसलिए प्राधिकारी यह मानते हैं कि चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के आयातों पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्क पर घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच करते समय विचार करना अपेक्षित है । प्राधिकारी ने इस बात की जांच की है कि क्या मौजूदा उपाय क्षति पहुंचाने वाले पाटन के लिए पर्याप्त है अथवा नहीं ।
46. प्राधिकारी नोट करते हैं कि निम्नलिखित विश्लेषण से घरेलू उद्योग की स्थिति और संबद्ध देश के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण हुई क्षति का पता चलता है । प्राधिकारी ने विशिष्ट और संगत अनुरोधों पर निम्नानुसार विचार कर उन पर कार्रवाई की है:

- i. प्राधिकारी ने मै. कल्याणी लेमर्ज लि., पुणे और व्हील्स इंडिया लि., चेन्नई से संबंधित सत्यापित आंकड़ों पर विचार कर घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच की है। प्राधिकारी ने केवल विचाराधीन उत्पाद को ध्यान में रखते हुए डी जी सी आई एंड एस स्रोत के आयात आंकड़ों पर भरोसा किया है। तथापि, कुछ आयातों का व्हील, व्हील रिम, व्हील डिस्क, व्हील डिस्क और रिम के संयोजन जैसे अलग-अलग नाम हैं परंतु ये भार, आकार के औसत के संबंध में विचाराधीन उत्पाद से तुलनीय हैं और इन पर भी विचार किया गया है।
- ii. जहां तक घरेलू उद्योग के इस अनुरोध का संबंध है, कि वर्ष 2008-09 में वैश्विक मंदी और ऑटोमोटिव उत्पादन में परिणामी गिरावट के कारण आयात, मांग, बाजार हिस्से, क्षमता उपयोग, उत्पादकता आदि जैसे मापदंडों को या तो समायोजित किया जाना चाहिए या उनकी अनदेखी की जानी चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि मंदी के कारण आर्थिक प्रभाव एक वैश्विक परिदृश्य था।
- iii. जहां तक इस अनुरोध का संबंध है कि आयातों में वृद्धि मांग में वृद्धि और घरेलू प्रयोक्ताओं की मांग को पूरा करने में घरेलू उद्योग की अक्षमता के कारण हुई है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की विचाराधीन उत्पाद की कुल उत्पादन क्षमता कुल घरेलू मांग से अधिक है परंतु उसका क्षमता उपयोग केवल लगभग 75% है। पाटित आयातों के अभाव में घरेलू उद्योग कुल घरेलू मांग को पूरा कर सकता है।
- iv. जहां तक व्हील्स इंडिया लि. के निष्पादन से संबंधित अनुरोध का प्रश्न है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह कंपनी एक बहु उत्पाद कंपनी है और उसके समग्र निष्पादन को विचाराधीन उत्पाद के बारे में निष्पादन का संकेतक नहीं माना जा सकता। प्राधिकारी यह मानते हैं कि विचाराधीन उत्पाद के कारण संबद्ध कंपनी का निष्पादन केवल वर्तमान जांच के लिए प्रासंगिक है और न कि कंपनी के समग्र निष्पादन और स्टॉक मार्केट में उसके निष्पादन के लिए।

पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव : आयात मात्रा और बाजार हिस्सा

प्राधिकारी द्वारा जांच

47. सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9(क)(5) के अनुसार लगाया गया पाटनरोधी शुल्क जब तक उसे समाप्त न किया जाए, इस प्रकार से लगाए जाने की तारीख से 5 वर्ष की समाप्ति पर निष्प्रभावी हो जाएगा परंतु यदि किसी समीक्षा में केन्द्र सरकार का यह

मत हो कि ऐसे शुल्क की समाप्ति से पाटन तथा क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है तो वह इस प्रकार से लगाए गए शुल्क की अवधि को समय-समय पर आगे और 5 वर्ष के लिए बढ़ा सकती है और आगे की ऐसी अवधि इस प्रकार के समय विस्तार के आदेश की तारीख से शुरू होगी ।

48. डब्ल्यूटीओ करार के अनुच्छेद 3.1 और नियमावली के अनुबंध-II में इन दोनों की वस्तुनिष्ठ जांच की व्यवस्था है, (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पाद के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव; और (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों का परिणामी प्रभाव । पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से अथवा भारत में उत्पादन या खपत की दृष्टि से भारी वृद्धि हुई है । पाटित आयातों के कीमत प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पादों की कीमतों की तुलना में भारी कीमत कटौती की गई है अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों में महत्वपूर्ण स्तर तक कमी करना है या ऐसा कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी मात्रा में बढ़ गई होती ।
49. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (IV) में निम्नानुसार उल्लेख है: "संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले समस्त संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों; घरेलू कीमत, पाटन मार्जिन की मात्रा को प्रभावित करने वाले कारकों; नकद प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभावों का मूल्यांकन शामिल होगा ।"
50. अनुबंध-II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम-11 में यह उपबंध है कि किसी क्षति जांच में "..... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत कारकों को ध्यान में रखते हुए " ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता चल सकता हो । कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात पर विचार करना आवश्यक है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में अत्यधिक

कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती ।"

51. भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि जैसे संकेतकों पर उपर्युक्त नियमावली के अनुबंध-॥ के अनुसार विचार किया गया है ।

52. वर्तमान जांच लागू पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा है । नियम 23 में यह उपबंध है कि समीक्षा के मामले में भी नियम 11 के उपबंध आवश्यक परिवर्तनों के साथ लागू होंगे । अतः प्राधिकारी ने अनुबंध-॥ के साथ पठित नियम 11 के उपबंधों में आवश्यक परिवर्तनों के साथ विचार करते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण किया है । इसके अलावा, चूंकि विचाराधीन उत्पाद के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, इसलिए प्राधिकारी यह मानते हैं कि चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के आयातों पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्क पर घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच करते समय विचार करना अपेक्षित है । प्राधिकारी ने इस बात की जांच की है कि क्या मौजूदा उपाय क्षति पहुंचाने वाले पाटन के लिए पर्याप्त है अथवा नहीं ।

53. क्षति की वर्तमान स्थिति का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने क्षति की मौजूदगी और पाटन तथा क्षति के बीच कारणात्मक संबंध, यदि कोई हो, की जांच करने के लिए घरेलू उद्योग पर संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के मात्रात्मक एवं कीमत प्रभावों तथा कीमतों और लाभप्रदता पर उसके प्रभाव की जांच की है । प्राधिकारी ने नियमों के अंतर्गत घरेलू उद्योग मै. कल्याणी लैमर्ज लि., पुणे और व्हील्स इंडिया लि., चेन्नई से संबंधित सूचना पर विचार कर घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच की है । प्राधिकारी ने क्षति से संबंधित समस्त अनिवार्य मापदंडों का विश्लेषण कर संगत मुद्दों पर कार्रवाई की है ।

मात्रात्मक प्रभाव: पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव:

मांग और बाजार हिस्सा

54. प्राधिकारी ने देश में मांग या उत्पाद की प्रत्यक्ष खपत का निर्धारण भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री और सभी स्रोतों से हुए आयातों की मात्रा के रूप में किया है । इस प्रकार निर्धारित मांग को निम्नलिखित तालिका में देखा जा सकता है । यह देखा जाता है कि वर्ष 2008-09 में गिरावट के बाद देश में उत्पाद की मांग में वृद्धि की प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है ।

भारत में मांग	इकाई	2007-08	2008-09	2009-10	जांच अवधि	वार्षिकीकृत जांच अवधि
घरेलू उद्योग बिक्री	मी.ट.	83,433	53,647	79,450	1,48,568	99,045
अन्य भारतीय उत्पादक बिक्री	मी.ट.	-	-	-	1,472	981
चीन से आयात (संबद्ध देश)	मी.ट.	28,403	25,727	30,492	53,000	35,333
अन्य देशों से आयात	मी.ट.	505	0	-	360	240
कुल मांग	मी.ट.	1,12,341	79,374	1,09,942	2,03,399	1,35,599
मांग में बाजार हिस्सा						
घरेलू उद्योग की बिक्री	%	74.27	67.59	72.27	73.04	73.04
अन्य घरेलू उत्पादकों की बिक्री	%	-	-	-	0.72	0.72
आयात- संबद्ध देश	%	25.28	32.41	27.73	26.06	26.06
आयात- अन्य देश	%	0.45	0.00	-	0.18	0.18

प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में मामूली गिरावट आई है जबकि इसी अवधि के दौरान संबद्ध देश के बाजार हिस्से में मामूली वृद्धि हुई है ।

आयात मात्रा और बाजार हिस्सा

55. जहां तक पाटित आयातों की मात्रा का संबंध है, प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में भारी वृद्धि हुई है ।

विवरण	इकाई	2007-08	2008-09	2009-10	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
चीन से आयात	मी.ट.	28,403	25,727	30,492	53,000	35,333
घरेलू उद्योग का उत्पादन	मी.ट.	85,811	55,298	80,263	1,51,175	1,00,783
निम्नलिखित की तुलना में चीन से हुए आयातों का हिस्सा						
भारत में कुल आयात	%	98.25	100.00	100.00	99.33	99.33
भारत में मांग	%	25.28	32.41	27.73	26.06	26.06
घरेलू उद्योग का उत्पादन	%	33.10	46.52	37.99	35.06	35.06

उपर्युक्त तालिका में दिए गए आंकड़ों से प्राधिकारी नोट करते हैं कि लागू पाटनरोधी शुल्क के बावजूद वर्ष 2008-09 को छोड़कर संबद्ध देश से आयातों की मात्रा में समग्र रूप में लगातार वृद्धि हुई है। इसके अलावा, आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में भारत में घरेलू उद्योग के उत्पादन और मांग की तुलना में भी संबद्ध आयातों में वृद्धि हुई है।

उत्पादन, क्षमता तथा क्षमता उपयोग

56. निम्नलिखित तालिका से प्राधिकारी नोट करते हैं कि समूची क्षति अवधि के दौरान विचारधीन उत्पाद की क्षमता एक समान रही है। वर्ष 2008-09 में भारी गिरावट आने के बाद उत्पादन और क्षमता उपयोग में सुधार हुआ है।

विवरण	इकाई	2007-08	2008-09	2009-10	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
स्थापित क्षमता	सं., 000	3620	3620	3620	5430	3620
उत्पादन	सं., 000	2409	1644	2239	4087	2725
स्थापित क्षमता	%	66.55	45.42	61.85	75.27	75.27

घरेलू उद्योग की बिक्री:

57. घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा निम्नलिखित तालिका में दी गई है:

विवरण	इकाई	2007-08	2008-09	2009-10	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
घरेलू बिक्री	मी.ट.	83,433	53,647	79,450	1,48,568	99,045
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	64	95	178	119

प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्ष 2008-09 में तेजी से आई गिरावट के बाद घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में वृद्धि की प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है और आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान बिक्री मात्रा में वृद्धि हुई है।

कीमत प्रभाव - पाटित आयातों का कीमत प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव:

58. संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमत पर प्रभाव की जांच कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत हास और कीमत न्यूनीकरण के संदर्भ

में की गई है। उत्पादन लागत के इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति और क्षति रहित कीमत की तुलना संबद्ध देश से आयातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है। जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु के लिए तुलना पाटित आयातों के पहुंच मूल्य और घरेलू बाजार में घरेलू बिक्री कीमत के बीच की गई है। घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति का निर्धारण करने में करें, रिबेटों, घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित छूटों और कमीशन का समायोजन किया गया है। कम कीमत पर बिक्री क्षति के निर्धारण का एक प्रमुख संकेतक है, अतः प्राधिकारी ने क्षति रहित कीमत की गणना की है और उसकी तुलना कम कीमत पर की गई बिक्री की मात्रा का आकलन करने के लिए पहुंच मूल्य के साथ की है। घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत का मूल्यांकन जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पादन की उत्पादन लागत पर समुचित विचार करने के बाद किया गया है। स्थिति निम्नानुसार है :

कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री:

कीमत कटौती

59. कीमत कटौती/ कम कीमत पर बिक्री संबंधी प्रभावों की निम्नानुसार जांच की गई है:

विवरण	इकाई	2007-08	2008-09	2009-10	जांच अवधि
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./किग्रा.	***	***	***	***
पाटनरोधी शुल्क सहित पहुंच मूल्य	रु./किग्रा.	50.35	67.49	59.37	61.67
पाटनरोधी शुल्क रहित पहुंच मूल्य	रु./किग्रा.	36.02	51.65	43.53	45.83
पाटनरोधी शुल्क रहित कीमत कटौती					
पाटनरोधी शुल्क रहित कीमत कटौती	रु./किग्रा.	***	***	***	***
पाटनरोधी शुल्क रहित कीमत कटौती	%	***	***	***	***
पाटनरोधी शुल्क रहित कीमत कटौती	रेंज %	30-40	20-30	25-35	30-40
पाटनरोधी शुल्क रहित कीमत कटौती					
पाटनरोधी शुल्क रहित कीमत कटौती	रु./किग्रा.	***	***	***	***
पाटनरोधी शुल्क रहित कीमत कटौती	%	***	***	***	***
पाटनरोधी शुल्क रहित कीमत कटौती	रेंज %	5-15	0-10	0-10	5-15

कम कीमत पर बिक्री

विवरण	इकाई	जांच अवधि
घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत	रु./किग्रा.	***
पाटनरोधी शुल्क सहित पहुंच मूल्य	रु./किग्रा.	***
पाटनरोधी शुल्क रहित पहुंच मूल्य	रु./किग्रा.	***
पाटनरोधी शुल्क सहित कम कीमत पर बिक्री	रु./किग्रा.	***
पाटनरोधी शुल्क रहित कम कीमत पर बिक्री	रु./किग्रा.	***
पाटनरोधी शुल्क सहित कम कीमत पर बिक्री	%	***
पाटनरोधी शुल्क रहित कम कीमत पर बिक्री	%	***
पाटनरोधी शुल्क सहित कम कीमत पर बिक्री	रेंज %	10-20
पाटनरोधी शुल्क रहित कम कीमत पर बिक्री	रेंज %	50-60

प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम है जिसके परिणामस्वरूप पाटनरोधी शुल्क सहित और रहित, दोनों रूप में कीमत में भारी कटौती हुई है। इसके अलावा, पाटनरोधी शुल्क सहित और रहित दोनों रूप में आयातों की पहुंच कीमत क्षति रहित कीमत से अत्यधिक कम है जिसके परिणामस्वरूप अत्यधिक कम कीमत पर बिक्री हुई है।

कीमत हास और न्यूनीकरण

60. घरेलू कीमतों पर पाटित आयातों के कीमत हासकारी और न्यूनकारी प्रभावों की जांच करने के लिए घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति की तुलना उत्पादन लागत के साथ की गई है। नीचे दिए गए आंकड़ों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत वर्ष 2009-10 को छोड़कर समूची क्षति अवधि के दौरान बिक्री लागत से कम रही है जिससे कीमत हासकारी प्रभाव का पता चलता है।

विवरण	इकाई	2007-08	2008-09	2009-10	जांच अवधि
बिक्री की लागत	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	128	105	123
बिक्री कीमत	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	123	107	124

अन्य क्षति मापदंडों का परीक्षण

61. घरेलू उद्योग की मात्रा और कीमत पर पाटित आयातों के प्रभाव तथा आयात मात्रा एवं मूल्य, घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री तथा विभिन्न खंडों के बाजार हिस्से के साथ खपत की पद्धति जैसे प्रमुख क्षति संकेतकों की जांच करने के बाद जिन अन्य आर्थिक मापदंडों से घरेलू उद्योग को क्षति की मौजूदगी का पता चल सकता है, उनका विश्लेषण निम्नानुसार किया गया है:

लाभ/हानि, निवेश पर आय और नकद प्रवाह

62. निवेश पर आय और नकद प्रवाह:

विवरण	इकाई	2007-08	2008-09	2009-10	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
बिक्री की लागत	रू./किग्रा.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	128	105	123	123
बिक्री कीमत	रू./किग्रा.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	123	107	124	124
लाभ/हानि	रू./किग्रा.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(637)	58	(26)	(26)
लाभ/हानि	लाख रुपए	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(410)	55	(47)	(31)
ब्याज तथा कर पूर्व लाभ	लाख रुपए	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	(58)	195	295	197
नियोजित पूंजी पर आय (आर ओ सी ई)	%	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	(59)	125	99	99
नकद लाभ	लाख रुपए	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	(58)	205	313	209

प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष और पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री लागत तथा बिक्री कीमत, दोनों में वृद्धि हुई है। तथापि, आधार वर्ष और तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में बिक्री कीमत में वृद्धि लागत में वृद्धि से कम रही है। वर्ष 2009-10 को छोड़कर जिस अवधि में इसने मामूली लाभ कमाया था, घरेलू उद्योग को समूची क्षति अवधि में लगातार घाटा हुआ है। आधार वर्ष और तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान नकद लाभ (वार्षिक) में भारी गिरावट आई

है । इसी प्रकार, आधार वर्ष और तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान लगाई गई पूंजी पर आय में भी भारी गिरावट आई है ।

मालसूची:

63. निम्नलिखित तालिका में दिए गए आंकड़ों से यह पता चलता है कि आधार वर्ष और पूर्ववर्ती वर्षों की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की मालसूची की स्थिति में सुधार हुआ है ।

मालसूची	इकाई	2007-08	2008-09	2009-10	जांच अवधि
प्रारंभिक स्टॉक	मी.ट.	***	***	***	***
अंतिम स्टॉक	मी.ट.	***	***	***	***
औसत स्टॉक	मी.ट.	1,931	1,883	1,342	901

रोजगार तथा मजदूरी

64. निम्नलिखित तालिका से प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि की समूची क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के रोजगार और मजदूरी दोनों में वृद्धि हुई है ।

विवरण	इकाई	2007-08	2008-09	2009-10	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
रोजगार	सं.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	93	102	104	104
मजदूरी	लाख रुपए	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	88	92	179	119

उत्पादकता

65. निम्नलिखित तालिका से प्राधिकारी नोट करते हैं कि पूर्ववर्ती वर्षों की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की उत्पादकता में तेजी से वृद्धि हुई है।

उत्पादकता	इकाई	2007-08	2008-09	2009-10	जांच अवधि
		***	***	***	***
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी.ट.				
प्रति दिवस उत्पादकता	मी.ट./दिवस	245.17	157.99	229.32	287.95

ण. पाटन मार्जिन की मात्रा

66. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों का पाटन मार्जिन सकारात्मक और न्यूनतम सीमा से अधिक है।

त वृद्धि

67. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग ने उत्पादन, घरेलू बिक्री और उत्पादकता जैसे कुछेक आर्थिक मापदंडों में सकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित की है। तथापि, आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान लाभ, नकद लाभ, लगाई गई पूंजी पर आय आदि में गिरावट आई है। प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से आयातों की मात्रा में समग्र रूप में भारी वृद्धि हुई है। तथापि, तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में उसके बाजार हिस्से में मामूली गिरावट आई है।

थ. कारणात्मक संबंध

68. अधिनियम की धारा 9 (5) के अंतर्गत प्राधिकारी के लिए पाटन एवं क्षति की संभावना और शुल्क जारी रखने की जरूरत की जांच करना अपेक्षित है। इसके होते हुए भी प्राधिकारी ने इस बात की जांच की कि क्या अन्य ज्ञात कारकों से घरेलू उद्योग को निम्नानुसार क्षति नहीं हो सकती है :

- तीसरे देशों से आयात: - प्राधिकारी नोट करते हैं कि अन्य देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयात नगण्य रहे हैं और इसलिए इनसे घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती।

- ii. **मांग में कमी:** - प्राधिकारी नोट करते हैं कि मांग में कोई कमी नहीं आई है क्योंकि वैश्विक मंदी से प्रभावित वर्ष 2008-09 को छोड़कर समूची क्षति अवधि के दौरान देश में संबद्ध वस्तु की मांग में लगातार वृद्धि हुई है ।
- iii. **खपत की पद्धति:** - यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी की जानकारी में संबद्ध वस्तु की खपत की पद्धति में कोई खास परिवर्तन नहीं लाया गया है और न ही किसी हितबद्ध पक्षकारने इस बारे में कोई अनुरोध किया है ।
- iv. **प्रतिस्पर्धा की स्थितियां:-** प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच से यह पता नहीं चला है कि घरेलू उद्योग को दावा की गई क्षति के लिए प्रतिस्पर्धा की स्थितियां या व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार जिम्मेवार है ।
- v. **प्रौद्योगिकी विकास:** - प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच से यह पता नहीं चला है कि प्रौद्योगिकी में ऐसा कोई खास परिवर्तन हुआ है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती हो ।
- vi. **घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन:** -

विवरण	इकाई	2007-08	2008-09	2009-10	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
निर्यात बिक्री	मी.ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	92	73	127	85

यह नोट किया जाता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को निर्यात बिक्री की मात्रा में तेजी से गिरावट आई है । तथापि, घरेलू उद्योग को हुई क्षति के निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू तथा निर्यात बाजार में कीमत और लाभप्रदता को अलग-अलग कर दिया है ।

पाटन एवं क्षति की संभावना

घरेलू उद्योग के अनुरोध

69. घरेलू उद्योग के अनुरोध निम्नानुसार हैं :

- i. चीन स्टील व्हील का सबसे बड़ा निर्यातक है जिस पर कई अन्य देशों की ओर से पाटनरोधी शुल्क लागू है । यद्यपि, अमरीका ने पाटनरोधी शुल्क समाप्त कर

दिया है तथापि, अर्जेंटीना ने चीन से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लागू किया है।

- ii. संबद्ध देश से आयातों के कारण भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है। समूची क्षति अवधि में कीमत में भारी कटौती हुई है। वर्तमान पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बावजूद संबद्ध देश से आयातों के कारण घरेलू कीमतों में कटौती हो रही है।
- iii. आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की लागत और बिक्री कीमत से काफी कम है। अतः वर्तमान पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने और घरेलू उद्योग द्वारा आयात कीमत पर बिक्री करने का विकल्प चुने जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को भारी वित्तीय घाटा होगा।
- iv. पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद भी संबद्ध देश के निर्यातकों और उत्पादकों ने पाटित कीमतों पर सामग्री का निर्यात जारी रखा है। इस बात पर विचार करने का कोई कारण नहीं है कि वर्तमान मामले में शुल्क समाप्त किए जाने से चीन जन.गण.से होने वाले पाटन में वृद्धि नहीं होगी।
- v. अनुरोध है कि चीन जन.गण. में स्टील व्हील का उत्पादन करने की विशाल क्षमताएं हैं जैसा कि निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है। पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में संबद्ध वस्तु की आयात मात्रा में आगे वृद्धि होना लाजिमी है।

क्र.सं.	चीन में उत्पादक	क्षमता (संख्या)
1.	शेनडांग जिनिंग व्हील फैक्ट्री	1.5 मिलियन
2.	शेनडांग शंघटाई, शेनडांग	4 मिलियन
3.	जियामेन सनराइज व्हील ग्रुप कं. लि.	4 मिलियन
4.	झेजियांग जिगू कंपनी लि.	17 मिलियन
5.	शेनडांग जियांगमिन व्हील कं. लि.	6 मिलियन
6.	फ्यूजियान झेंगजियान व्हील कं. लि.	5.2 मिलियन
7.	चायना झेनिक्स ऑटो इंटरनेशनल लि.	12.5 मिलियन
8.	शेघटाई ग्रुप शानडोंग डेटोंग व्हील कं.	1 मिलियन

- vi. चीन से स्टील व्हील के बारे में अमरीका के प्रारंभिक निर्धारण के अनुसार चीन के कुछ उत्पादकों की क्षमता और उत्पादन का उल्लेख निम्नलिखित तालिका में किया गया है।

(मात्रा 1000 इकाइयों में)

विवरण	2008	2009	2010	2011 परियोजित	2012 परियोजित
चीनी क्षमता	4,604	4,604	6,724	7,261	11,973
चीनी उत्पादन	3,000	2,660	4,899	6,067	9,682

vii. चीन में उत्पादकों ने अपनी घरेलू मांग से काफी अधिक क्षमताएं स्थापित की हैं और इनका प्रयोग किया जा रहा है। इसके अलावा, चीन जन.गण. के निर्यातक विश्व भर में अत्यंत निर्यातोन्मुख हैं जैसा कि निम्नलिखित तालिका से देखा जा सकता है। अतः इस चरण पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में इस मामले में पाटन एवं क्षति की पुनरावृत्ति उच्च स्तर पर होने की संभावना है।

क्र.सं.	चीन में उत्पादक	निर्यात प्रतिशत
1.	शेनडांग जिनिंग व्हील फैक्ट्री	71% - 80%
2.	शेनडांग शंघटाई, शेनडांग	31%-40%
3.	जियामेन सनराइज	61%-70%
4.	झेजियांग जिगू कंपनी लि.	51% - 60%
5.	शेनडांग जियांगमिन व्हील कं. लि.	31%-40%
6.	फ्यूजियान झेंगजियान व्हील कं. लि.	30%
7.	नानजिंग हाई होप इंजीनियरिंग कं. लि.	91%-100%
8.	शेघटाई डेटोंग व्हील कं.	71%-80%

viii. पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में उत्पाद का और अधिक मात्रा में पाटन किए जाने तथा घरेलू उद्योग की कीमतों में भारी कटौती होने की संभावना है।

ix. चीन के उत्पादक पहले से ही कई देशों को विचाराधीन उत्पाद का निर्यात कर रहे हैं। अतः पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में चीन के उत्पादकों द्वारा तीसरे देश को होने वाले निर्यातों को भारतीय बाजार में भेजे जाने की संभावना है।

उत्पादकों/निर्यातकों /अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

70. उत्पादकों/निर्यातकों /अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध निम्नानुसार हैं:

- i. पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में क्षति की संभावना स्वीकार्य नहीं है । घरेलू उद्योग द्वारा याचिका में दिए गए तर्कों से अधिक घरेलू उद्योग को क्षति की संभावना या उसकी पुनरावृत्ति होने के स्पष्ट अभाव का पता चलता है ।
- ii. जिस विचाराधीन उत्पाद पर अमरीका, अर्जेंटीना आदि ने पाटनरोधी शुल्क लगाया है, वह भारतीय जांच के उत्पाद से भिन्न है और इस प्रकार संभावना के विश्लेषण को उस पर आधारित करना सही नहीं है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

71. वर्तमान जांच चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा है । नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी के लिए यह निर्धारित करना अपेक्षित है कि क्या पाटनरोधी शुल्क को निरंतर लागू रखने की जरूरत है । इस बात की जांच करना भी अपेक्षित है कि क्या लगाए गए शुल्क से क्षतिकारक पाटन को समाप्त करने का उद्देश्य पूरा हो रहा है । वर्तमान जांच में चूंकि सतत पाटित आयात हो रहे हैं इसलिए प्राधिकारी के लिए इसबात की जांच करना अपेक्षित नहीं है कि क्या शुल्क समाप्त किए जाने से उत्पाद का सतत पाटन होने की संभावना है । तथापि, इस तथ्य पर विचार करते हुए कि मूल और वर्तमान जांच में पाटन मार्जिन काफी अधिक है और जहां संबद्ध वस्तु की मांग और कीमत का संबंध है, भारतीय बाजार में अनुकूल बाजारी स्थितियां हैं । प्राधिकारी के पास इस बात पर विश्वास करने का कारण है कि शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटन में वृद्धि होगी । वास्तविकता यह है कि लागू पाटनरोधी शुल्क के बावजूद संबद्ध देश भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग को अत्यधिक क्षतिकारी मौजूदगी बनाए रख सकता है । निम्नलिखित विश्लेषण में शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटन में तेजी आने और घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति होना की संभावना का उल्लेख है ।

वर्तमान और विगत पाटन मार्जिन का स्तर

- i. पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बावजूद संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु की आयात मात्रा में भारी वृद्धि हुई है। समूची क्षति अवधि के दौरान अत्यधिक कीमत कटौती, वर्तमान जांच की क्षति अवधि के दौरान कीमत ह्रास को देखते हुए और चीन में क्षमता तथा भारत में मांग पर विचार करते हुए पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटित आयात की मात्रा में आगे और वृद्धि होने की संभावना है। पूर्ववर्ती जांच में पाटन मार्जिन की मात्रा और इस जांच में प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पाटन मार्जिन पर विचार करते हुए, यह स्पष्ट हो जाता है कि संबद्ध देश के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु का पाटित कीमतों पर निर्यात जारी रहा था जिससे पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बावजूद घरेलू उद्योग को क्षति हो रही थी। अतः प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों में वृद्धि होने की संभावना है।

भारतीय बाजार की कीमत आकर्षकता

- ii. जिस कीमत पर चीन जन.गण. द्वारा भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात किया जा रहा है, वह पाटन जारी रहने/उसमें वृद्धि होने की संभावना की संकेतक है। भारत में पहुंच कीमत पर शुल्क सहित और रहित, दोनों रूप में कीमत में भारी कटौती हो रही है। अतः पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने से चीन के उत्पादकों के लिए भारतीय कीमतें इतनी अधिक आकर्षक बन जाएगी कि वे पाटित कीमतों पर भारत को निर्यात में वृद्धि कर देंगे और इस बात की प्रबल संभावना है कि भारतीय उपभोक्ता चीन से बड़ी मात्रा में संबद्ध वस्तु का आयात करेंगे।

विदेशी उत्पादकों का निर्यातोन्मुख होना

- iii. उपलब्ध सूचना से यह स्पष्ट होता है कि चीन के उत्पादक/निर्यातक अत्यधिक निर्यातोन्मुख हैं। मूल कंपनी मै. जेनिक्स आटो इंटरनेशनल की वार्षिक रिपोर्ट से यह स्पष्ट होता है कि कंपनी के लिए भारत सबसे बड़ा अंतर्राष्ट्रीय बाजार है और तरजीही गंतव्य है तथा उसके पास भारत को संबद्ध वस्तु के निर्यातों को अधिकतम बनाने की उम्दा योजना है। भारत में संबद्ध वस्तु की उच्च मांग और अनुकूल बाजारी स्थितियों तथा चीन के उत्पादकों की उच्च क्षमता एवं उनके निर्यातोन्मुखीकरण पर विचार करते

हुए, प्राधिकारी यह मानते हैं कि यदि मौजूदा पाटनरोधी शुल्क समाप्त कर दिया जाता है तो भारत में संबद्ध वस्तु की समूची मांग की पूर्ति भारतीय उत्पादकों को विस्थापित कर चीन के उत्पादकों द्वारा की जा सकती है ।

भारतीय बाजार में चीन जन.गण. का बाजार हिस्सा

- iv. प्राधिकारी नोट करते हैं कि लागू पाटनरोधी शुल्क के बावजूद संबद्ध देश ने समूची क्षति अवधि के दौरान भारतीय बाजार में एक बड़ा हिस्सा बनाए रखा है ।

घ. क्षति की मात्रा और क्षति मार्जिन

72. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के अनुसार प्राधिकारी द्वारा यथानिर्धारित घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु की क्षति रहित कीमत की तुलना जांच अवधि के दौरान क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु संबद्ध देश से निर्यातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है और इस प्रकार निकाला गया क्षति मार्जिन निम्नानुसार है:

विवरण	इकाई	झेजियांग व्हील ग्रुप कं. लि.	अन्य चीनी उत्पादक/निर्यातक
घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत	रु./किग्रा.	***	***
पाटनरोधी शुल्क रहित पहुंच कीमत	रु./किग्रा.	***	***
क्षति मार्जिन	रु./किग्रा.	***	***
क्षति मार्जिन	अम.डा./किग्रा.	***	***
क्षति मार्जिन	%	***	***
क्षति मार्जिन % रेंज	रेंज %	45-55	60-70

न. भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दे

73. प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से भारत में उत्पाद के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं । तथापि, पाटनरोधी उपायों द्वारा भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी । इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन के व्यवहार द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग

का हास रूकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से संबद्ध देश से होने वाले आयात प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी। उपभोक्ता अभी भी आपूर्ति के दो या अधिक स्रोत रख सकते हैं।

74. - पाटनरोधी शुल्कों को लगाए जाने का उद्देश्य सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार पद्धतियों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को बहाल किया जा सके, जो देश के सामान्य हित में है। इसके अलावा, पाटनरोधी शुल्क लागू करने से उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

प. प्रकटन विवरण के पश्चात टिप्पणियां

75. उत्पादक/निर्यातक/आयातक/अन्य हितबद्ध पक्षकारों की प्रकटन विवरण के बाद टिप्पणियां निम्नानुसार हैं :-

- i. जांचाधीन चीन के उत्पादक या निर्यातक के स्वामित्व संबंधी ब्योरों की पुष्टि चीन के व्यष्टियों या चीन की कंपनियों द्वारा पूंजी स्वामित्व की सीमा तक करनी होगी। ऐसी किसी अपेक्षा से चीन से इतर कंपनी अर्थात् ऐसी कोई कंपनी जो चीन से बाहर निगमित है, को शामिल नहीं किया जा सकता।
- ii. जो सहायक कंपनियां संबद्ध वस्तु के विनिर्माण और घरेलू बाजार में उसकी बिक्री में शामिल हैं, वे भारत को किए गए निर्यात में शामिल नहीं हैं। अतः उन्होंने उत्तर दायर नहीं किया।
- iii. झेंगजिंग ने अपनी संबद्ध कंपनी से रिमों की खरीद की है। संबद्ध कंपनी ने लीन की सामान्य दर में परिवर्तन किया है। इसके अलावा, संबद्ध कंपनी ने कोई बिक्री या वितरण व्यय नहीं किया है। अतः संबद्ध कंपनी द्वारा परिवर्तित कीमत उस कीमत से कम है जिस कीमत पर असंबद्ध कंपनी से रिमों की खरीद की जाती है।
- iv. झेंगजिंग पर 15% की आयकर दर लागू है क्योंकि इसे "उच्च तथा नई प्रौद्योगिकी वाले उद्यम" के रूप में मान्यता प्राप्त है। इसका तात्पर्य कंपनी के प्रचालनों में राज्य के हस्तक्षेप से नहीं है।
- v. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद ट्यूब युक्त टायरों के प्रयोग में प्रयुक्त 16" से 20" के सामान्य व्यास के आकार वाले फ्लैट बेस स्टील व्हील है।

प्राधिकारी को वे सौदे हटा देने चाहिए जिनमें मुक्कमल स्टील व्हील नहीं हैं और जिनसे क्षति संबंधी विश्लेषण नहीं होता है।

- vi. कीमत में कोई ह्रास नहीं हुआ है क्योंकि क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में कोई गिरावट नहीं आई है। यहां तक कि कीमत में कोई न्यूनीकरण नहीं हुआ है।
- vii. पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से घरेलू उद्योग के निष्पादन में भारी सुधार हुआ है। पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने से घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट नहीं आएगी।
- viii. वर्ष 2008-09 के दौरान संबद्ध वस्तु का पहुंच मूल्य सर्वाधिक था। इसी दौरान घरेलू उद्योग को हुआ घाटा भी सर्वाधिक है। अतः भारत में हुए आयातों और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है।
- ix. किसी निर्णायक समीक्षा में प्राधिकारी के पास शुल्क में परिवर्तन करने या उसमें संशोधन करने का कोई कानूनी अधिकार नहीं होता है। निर्णायक समीक्षा का दायरा केवल यह निष्कर्ष निकालने का होता है कि पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने से पाटन और क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है।
- x. प्राधिकारी को टाटा और लीलैंड को की गई आपूर्तियों के औसत भाड़े के आधार पर झेंगजिंग के सामान्य मूल्य की पुनः गणना करनी चाहिए।

76. घरेलू उद्योग की प्रकट विवरण पश्चात टिप्पणियां निम्नानुसार हैं :-

- i. घरेलू उद्योग का अनुरोध है कि शुल्क अम.डॉ. के रूप में लगाया जाना चाहिए। रूपए के मूल्य में भारी गिरावट आई है और इसीलिए निश्चयात्मक शुल्क कृपया अम.डॉ. में व्यक्त किया जाए। भारतीय रूपए के अवमूल्यन से कच्ची सामग्री, उपयोगिता की लागत और अन्य लागतों पर प्रभाव पड़ा है।
- ii. घरेलू उद्योग द्वारा प्रयुक्त व्हीलों का वजन चीन के उत्पादकों द्वारा आपूर्त व्हील से कम है। अतः उचित तुलना सुनिश्चित करने के लिए पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन का अंततः निर्धारण क्षति मार्जिन के निर्धारण के सीमित प्रयोजन हेतु क्षति रहित कीमत तथा आयात कीमत का संख्या में परिवर्तन करने के बाद किया जाना चाहिए। इसके अलावा, भार आधार पर निर्धारित सामान्य मूल्य को अंततः निर्यात कीमत के साथ तुलना करने से पूर्व संख्याओं में व्यक्त किया जाना चाहिए ताकि वास्तविक पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन का पता चल सके।

- iii. अनुबंध-III में वारंटी लागत को क्षति रहित कीमत की गणना में से घटाने की अपेक्षा नहीं की गई है । तथापि, यदि वारंटी लागत को क्षति रहित कीमत से अलग रखा जाता है तो उसे उचित तुलना करने के लिए आयात कीमत से भी अलग रखा जाना चाहिए ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

77. प्राधिकारी द्वारा संगत मानी गई प्रकटन विवरण पश्चात टिप्पणियों पर निम्नानुसार कार्यवाई की गई है :

- i. जहां तक बाजार अर्थव्यवस्था के मुद्दों से जुड़े अनुरोधों का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि ये दस्तावेजों के साथ पुष्टि किए बिना पूर्ववर्ती अनुरोधों का मात्र दोहराव है और इन पर इस जांच परिणाम के संगत खंडों में समुचित विचार किया जा चुका है और कार्यवाई की जा चुकी है । संबद्ध उत्पादक/निर्यातक की प्रकटन पश्चात टिप्पणियों से उनकी बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति का खंडन नहीं होता है ।
- ii. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि जांचाधीन चीन के उत्पादक या निर्यातक के स्वामित्व के ब्यौरों को चीन से इतर कंपनियों पर लागू नहीं किया जा सकता, प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन में प्रचालनरत चीन से इतर कंपनियों पर चीन का कानून भी लागू होता है और चीन जन.गण. में गैर-बाजार अर्थव्यवस्था विद्यमान है ।
- iii. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह तर्क गलत है कि जो सहायक कंपनियां घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु के विनिर्माण और बिक्री में शामिल हैं और जो भारत को निर्यातों में शामिल नहीं हैं, उन्हें उत्तर दायर करने की जरूरत नहीं है । चीन की कंपनियों की यह जिम्मेवारी बनती है कि वे प्रश्नावली के अपेक्षित उत्तर दायर कर अपने गैर बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे का खंडन करें ।
- iv. जहां तक संबद्ध और असंबद्ध स्रोतों से खरीदी गई कच्ची सामग्री की कीमत में भारी अंतर का संबंध है, मै. झोंगजिंग ने प्रकटन विवरण पश्चात अपनी टिप्पणियों में दस्तावेजों के साथ पुष्टि किए बिना यह अनुरोध किया है कि वह खुले बाजार में कीमत की तुलना में कम कीमत पर अपनी संबद्ध कंपनी से रिमों की खरीद कर सकती है क्योंकि संबद्ध कंपनी कोई बिक्री और वितरण व्यय नहीं करती है तथा केवल मामूली लाभ कमाती है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस प्रकार के अपुष्टिकृत अनुरोध स्वीकार्य नहीं हैं ।
- v. जहां तक मै. झोंगजिंग के इस तर्क का संबंध है कि उन पर आयकर की कम दर प्रभारित की जा रही है क्योंकि उन्हें "उच्च और नई प्रौद्योगिकी वाले उद्यम" के रूप में मान्यता प्राप्त है और इसलिए इसका तात्पर्य राज्य के

हस्तक्षेप से नहीं है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध निर्यातक ने यह प्रदर्शित नहीं किया है कि उसे सरकार की किसी नीति के अनुसार सरकार द्वारा ऐसा कोई दर्जा, प्रदान किया गया है। कंपनी की उत्पाद लागत और कीमत पर आयकर की ऐसी अलग दर के प्रभाव से भी इंकार नहीं किया जा सकता।

- vi. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि किसी निर्णायक समीक्षा में प्राधिकारी के पास शुल्क की अवधि बढ़ाने का ही अधिकार होता है और शुल्क की राशि में वृद्धि नहीं की जा सकती, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वस्तु से संबंधित संगत नियमों और विनियमों में प्राधिकारी को प्रत्येक मामले के तथ्यों और गुण-दोष के आधार पर शुल्क में भी संशोधन करने की शक्ति प्राप्त है। इसके अलावा, प्राधिकारी द्वारा निर्णायक समीक्षा जांचों से संबंधित कई मामलों में संशोधित शुल्क की सिफारिश की जाती रही है।
- vii. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कीमत हासकारी प्रभाव के अभाव से संबंधित तर्क गलत है। घरेलू उद्योग के वास्तविक आंकड़ों के आधार पर यह पाया गया है कि वर्ष 2009-10 को छोड़कर क्षति अवधि के दौरान बिक्री लागत समग्र रूप से बिक्री कीमत से अधिक रही है जिससे कीमत हासकारी प्रभाव का पता चलता है।
- viii. प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्ष 2008-09 के दौरान संबद्ध वस्तु का पहुंच मूल्य और प्रति इकाई घाटा सर्वाधिक रहा था। ऐसा मुख्यतः घरेलू उद्योग द्वारा संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण अपनी बिक्री कीमत में उचित स्तर तक वृद्धि करने में असमर्थ रहने के कारण रहा था। यही स्थिति समूची क्षति अवधि में विद्यमान रही है। अतः निर्यातक/आयातकों का यह तर्क सही नहीं है कि कोई कारणात्मक संबंध नहीं है।
- ix. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह तर्क गलत है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से घरेलू उद्योग के निष्पादन में अत्यधिक सुधार हुआ है और इसलिए पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने से घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट नहीं आएगी। वर्तमान जांच में आंकड़ों के विश्लेषण से यह पता चलता है कि पाटनरोधी शुल्क सहित और रहित कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री सकारात्मक है। इसके अलावा, संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयात लागू पाटनरोधी शुल्क के बावजूद अत्यधिक मात्रा में और पाटित कीमतों पर जारी है। इसके अलावा, संभावना के विश्लेषण से यह भी पता चलता है कि पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में संबद्ध देश और अधिक मात्रा में भारत में संबद्ध वस्तु का पाटन करने की स्थिति में हैं जिससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति और गंभीर हो जाएगी।

- x. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि ऐसे सौदों पर विचार नहीं किया जाना चाहिए जिनमें मुक्कमल स्टील व्हील शामिल नहीं हैं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि केवल विचाराधीन उत्पाद के बारे में डी जी सी आई एंड एस स्रोत से प्राप्त सौदेवार आयात आंकड़ों पर वर्तमान जांच में विचार किया गया है। तथापि, प्राधिकारी द्वारा व्हील, व्हील रिम, व्हील डिस्क, व्हील डिस्क और रिम आदि के संयोजन जैसे अलग-अलग नामों वाले परंतु औसत भार, आकार और कीमत के संबंध में विचाराधीन उत्पाद से तुलनीय आयातों पर भी विचार किया गया है।
- xi. जहां तक भार के बजाए संख्या के संबंध में क्षतिरहित कीमत के निर्धारण हेतु घरेलू उद्योग के तर्क का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि मूल जांच और वर्तमान जांच में भी प्राधिकारी ने उचित तुलना और विश्लेषण हेतु संबद्ध वस्तु के लिए माप की इकाई के रूप में भार को लिया है।
- xii. अनुबंध-III में प्राधिकारी को यह अधिदेश प्राप्त है कि वह क्षति रहित कीमत का निर्धारण करते समय विनिर्माण पश्चात व्यय को शामिल न करें। अतः प्राधिकारी ने वारंटी व्यय पर विचार नहीं किया है जो क्षतिरहित कीमत के निर्धारण हेतु विनिर्माण पश्चात व्यय के स्वरूप का है। जहां तक पहुंच मूल्य का संबंध है, प्राधिकारी ने इसका निर्धारण डी जी ए डी की पद्धति के अनुसार किया है।
- xiii. प्राधिकारी ने टाटा मोटर्स और अशोक लीलैंड, जो संबद्ध निर्यातक से संबद्ध वस्तु के प्रमुख आयातक हैं, द्वारा किए गए समुद्री भाड़े पर विचार करने के बाद सहयोगी निर्यातक द्वारा किए गए निर्यातों के पहुंच मूल्य की पुनः संगणना की है।
- xiv. जहां तक घरेलू उद्योग के इस अनुरोध का संबंध है कि रूप में भारी अवमूल्यन हुआ है और इसलिए निश्चयात्मक शुल्क अम.डॉ. में व्यक्त किया जाए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी ने अपनी सामान्य पद्धति के अनुसार शुल्क की सिफारिश अम.डॉ. के रूप में की है।

फ. निष्कर्ष

78. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों, प्रदान की गई सूचना और किए गए अनुरोधों तथा इस अंतिम जांच परिणाम में दर्ज किए गए अनुसार प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए पाटन तथा परिणामी क्षति जारी रहने की स्थिति और पाटन एवं क्षति जारी रहने/उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना के उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:

- i. क्षति अवधि के दौरान चीन.जन.गण. से हुए आयातों में वृद्धि हुई है और

इनका काफी बड़ा हिस्सा बना हुआ है ।

- ii. भारत में उत्पादन और खपत की तुलना में पाटित आयातों की मात्रा काफी अधिक है ।
- iii. चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु का सतत पाटन हो रहा है और पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटन जारी रहने और उसमें वृद्धि होने की संभावना है ।
- iv. समूची क्षति अवधि के दौरान पाटनरोधी शुल्क सहित और रहित, दोनों रूप में कीमत कटौती अत्यधिक सकारात्मक रही है ।
- v. पाटनरोधी शुल्क सहित और रहित, दोनों रूप में कम कीमत पर बिक्री अत्यधिक सकारात्मक रही है ।
- vi. जांच अवधि के दौरान बाजार हिस्से, लाभ, निवेश पर आय, नकद लाभ आदि के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई है जबकि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद इसमें सुधार होना चाहिए था ।
- vii. जांच अवधि के दौरान यद्यपि, उत्पादन, घरेलू बिक्री तथा उत्पादकता जैसे कुछेक आर्थिक मापदंडों में घरेलू उद्योग ने सकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित की है । तथापि, घरेलू उद्योग की आर्थिक स्थिति में सुधार मुख्यतः पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने के कारण हुआ है ।
- viii. भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तु पाटित कीमतों पर प्रवेश कर रही है और पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक है ।
- ix. यदि वर्तमान पाटनरोधी शुल्क समाप्त कर दिया जाता है तो संबद्ध वस्तु के पाटन में वृद्धि होगी जिससे घरेलू उद्योग को और अधिक क्षति होगी ।

फ. सिफारिशें

79. उपर्युक्तानुसार निष्कर्ष निकालने के बाद प्राधिकारी का यह मत है कि संबद्ध देश के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों के संबंध में पाटनरोधी उपाय की न केवल अवधि को बढ़ाया जाना अपितु उसकी राशि में वृद्धि करना भी अपेक्षित है जैसा कि निम्नलिखित शुल्क तालिका में दर्शाया गया है ।

80. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन, जो भी कम हो, के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार, संबद्ध देश के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों के संबंध में केन्द्र सरकार द्वारा इस बारे में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से निम्नलिखित तालिका के कॉलम 9 में उल्लिखित राशि के बराबर पाटनरोधी शुल्क लागू करने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

क्र. सं.	उप शीर्ष/टैरिफ मद	वस्तु का विवरण	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क की राशि	माप की इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1	8708.70	सामान्य डायामीटर का फ्लैट बेस स्टील व्हील 16"- 20"	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	मै. झेंगजिंग व्हील ग्रुप कंपनी लि.:	मै. झेंगजिंग व्हील ग्रुप कंपनी लि.:	512.64	मी.ट.	अम.डॉ.
2	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	उत्पादक/निर्यातक (उपर्युक्त क्र.सं. 1 से इतर) का कोई संयोजन)		613.00	मी.ट.	अम.डॉ.
3	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. से इतर कोई देश	कोई	कोई	613.00	अम.डॉ.	अम.डॉ.
4	-वही-	-वही-	चीन जन.गण. से इतर कोई देश	चीन जन.गण.	कोई	कोई	613.00	अम.डॉ.	अम.डॉ.

ब. आगे की प्रक्रिया

81. इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अंतर्गत सीमाशुल्क प्राधिकारी द्वारा यथा आकलित निर्धारणीय मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3, 8, 1, 9 तथा 9 के अंतर्गत लागू हुए शुल्कों को छोड़कर सभी सीमाशुल्क शामिल होंगे।

82. इस आदेश के खिलाफ कोई अपील सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क तथा सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी।

जे. एस. दीपक, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 20th February, 2013

FINAL FINDING

Subject : Sunset Review (SSR) Anti-Dumping investigation concerning imports of Flat Base Steel Wheels, originating in or exported from China PR.

No. 15/22/2011-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time, (hereinafter also referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Rules) thereof;

A. Background of the Case

1. Whereas, the Authority, having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time, had initiated the original investigation concerning imports of the subject goods from the subject country vide Notification No.14/8/2005-DGAD dated 31st May 2006. The Preliminary Finding was issued by the Authority vide Notification No.14/8/2005-DGAD dated 12th January 2007 and the provisional anti-dumping duty was imposed by the Department of Revenue vide Notification No.51/2007 Customs dated 29th March, 2007. The Final Findings Notification was issued by the Authority vide notification No.14/8/2005-DGAD dated 28th November 2007, recommending imposition of definitive duty. On the basis of the recommendations made by the Authority in the final findings, definitive anti-dumping duty was

imposed by the Department of Revenue vide Notifications No.124/2007-Customs dated 31st December, 2007 on the imports of the of the subject goods, originating in or exported from the subject country.

2. And whereas, M/s Zhengxing Wheels Co. Ltd, respondent Chinese exporter in the original as well as the present investigation, filed an appeal before the Central Excise and Service Tax Tribunal (CESTAT), challenging the imposition of anti-dumping duty on the imports of the subject goods.

3. Whereas, the Hon'ble CESTAT vide its order dated 11th August, 2011 remanded the matter back to the Designated Authority for affording post-decisional hearing to the appellants and for making such modifications to the final findings as may be necessary as a result of such post decisional hearing. The operative part of the order, inter alia, is as follows:

"Accordingly we allow these appeals by remand to the Designated Authority for affording post-decisional hearing to the appellants and for making such modifications to the Final Findings as may be necessary as a result of such post decisional hearing. The respondent-domestic industry and other interested parties, if any, shall also be allowed to participate in such post decisional hearing. Any modifications made in the final findings would be considered by giving effect to the same by the government by carrying out the necessary amendment to the impugned notification imposing anti-dumping Duty. This process shall be completed within 6 months from the date of this order and status quo shall be maintained meanwhile. Since we are allowing these appeals by remand, the related stay petitions, MAs and COs stand disposed off."

4. Whereas, in compliance with the orders of the Hon'ble CESTAT and without prejudice to the rights of the Designated Authority to challenge the orders, the Authority held a post decisional oral hearing for the known interested parties on 13th December 2011 and issued the post decisional findings vide Notification No.14/8/2005-DGAD dated 10th February, 2012, re-affirming its final findings made vide earlier Notification No.14/8/2005-DGAD dated 28th November 2007 and the recommendations made therein. The Authority also filed appeals before the Hon'ble Supreme Court challenging the orders of Hon'ble CESTAT. The concerned exporter from the subject country also challenged the CESTAT's judgement before the Hon'ble Supreme Court. The Hon'ble Supreme Court vide its interim orders dated 31st August, 2012 and 7th September, 2012 directed the concerned parties to deposit the anti-dumping duty in escrow account.
5. Whereas, M/s. Kalyani Lemmerz Limited, Pune and M/s Wheels India Limited, Chennai filed a duly substantiated application before the Authority, on behalf of the domestic industry, in accordance with the Act and the Rules, alleging continued dumping of the subject goods from the subject country, and hence the anti-dumping measures and likelihood of intensified

dumping and consequent injury to the domestic industry in the event of revocation of the anti-dumping duty. They requested for review, continuation and enhancement of the anti-dumping duties, imposed on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country.

6. In view of the duly substantiated application filed on behalf of the domestic industry and in accordance with section 9A(5) of the Act, read with Rule 23 of the AD Rules, the Authority initiated a Sunset review investigation vide Notification dated 24.02.2012 to review the need for continued imposition of the duties in respect of the subject goods originating in or exported from the subject country and to examine whether the expiry of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry. The validity of the antidumping duty on the imports of the subject goods from the subject country has been extended up to 27th March, 2013 by the Central Government vide Notification No.16/2012-Customs (ADD) dated 20.03.2012.
7. The scope of the present review covers all aspects of the previous investigation concerning imports of the subject goods originating or exported from the subject country.

B. Procedure

8. The procedure described below has been followed with regard to the subject investigation:
 - a. The embassy of the subject country in New Delhi was informed about the initiation of the investigations in accordance with Rule 6(2).
 - b. The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known exporters and the embassy of the subject country in accordance with Rules 6(3) supra. A copy of the non-confidential version of the application was also made available in the public file and provided to other interested parties, wherever requested.
 - c. The Authority forwarded a copy of the public notice to the known producers/exporters in China PR (whose names and addresses were made available to the Authority) as follows and gave them opportunity to make their views known in writing within forty days from the date of the letter in accordance with the Rules 6(2) & 6(4):

- i. Zhengxing Wheel Group Co Ltd
 - ii. JhejianJingu Automobiles
 - iii. Quingdao YTE Products Co Ltd
 - iv. Shangdong Sheng Tai Wheel Co Ltd
 - v. ShangdongXingmin Wheel Co Ltd
 - vi. China ZenixAutroInternatioal Ltd
 - vii. Nanjing High Hope Engineering Co Ltd
 - viii. Zhejiang Eastern Top Group
 - ix. Shengtai Group Co Ltd
 - x. ShangdongJinning Wheel Factory
 - xi. Xiamen Sunrise
 - xii. Fujian Zhengxing Wheel Co Ltd
 - xiii. Shandong Detong Wheels Co
- d. However, response to the exporter's questionnaire was received only from M/s Zhengxing Wheel Group Co. Ltd, China PR.
- e. The Authority forwarded a copy of the public notice to all the following known importers(whose names and addresses were made available to the authority) of subject goods in India and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of issue of the letter in accordance with the Rule 6(4):
- xiv. Tata Motors Ltd.
 - xv. Eicher Motors Ltd.
 - xvi. Asia Motor Works Ltd.
 - xvii. Ashok Leyland Ltd.
 - xviii. King Kaveri Trading Company,
 - xix. York Transport Equipment (AISA) Pte Ltd.
 - xx. York Transport Equipment.
 - xxi. Swaraj Mazda Ltd.
 - xxii. Mahindra & Mahindra Ltd.,
 - xxiii. Volvo Trucks India
 - xxiv. Man force Truck (I) Ltd.
 - xxv. VE Commercial Vehicles Ltd.
 - xxvi. Society of Indian Automobile Manufacturers
- f. However, response to the importer's questionnaire was received only from the following importers:
- Tata Motors Ltd.
 - Ashok Leyland Ltd.

- g. The non-confidential version of the evidences presented by various interested parties were made available by the Authority to the interested parties in the form of a public file and kept open for inspection by them as per Rule 6(7).
- h. Exporters, producers and other interested parties who have neither responded to the Authority, nor supplied information relevant to this investigation have been treated as non-cooperating interested parties.
- i. A Market Economy Treatment (MET) questionnaire was also forwarded to all the known exporters and embassy of China PR with a request to provide relevant information to the Authority within the prescribed time. While for the purpose of initiation the normal value in China PR was considered based on the cost of production of the subject goods in India, duly adjusted, the Authority informed known exporters that it proposes to examine the claim of the applicant in the light of para 7 and para 8 of Annexure I of Anti Dumping Rules, as amended. The exporters/producers of the subject goods from China PR were therefore requested to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 to enable the Authority to consider whether market economy treatment can be granted to cooperative exporters/producers.
- j. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the injury period including POI.
- k. The Authority compared the import data received from DGCI&S and the data furnished by the domestic industry based on secondary source i.e. IBIS and relied upon the DGCI&S data in the present investigation.
- l. Information was sought from the applicants to determine non-injurious price based on the cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry. Further, the Authority has determined the non-injurious price for the domestic industry in terms of the principles laid down in Annexure III to the Rules.

- m. The Authority held a public hearing on 30th November, 2012 to hear the interested parties orally. The interested parties present at the time of hearing were advised to file written submissions of the views expressed orally and were also given an opportunity to file rejoinder to the views expressed by other interested parties.
- n. The submissions made by the interested parties during the course of the investigation have been considered in this finding, to the extent considered relevant by the Authority;
- o. On the spot verification of the data/information furnished by the domestic industry and also the co-operating exporter was carried out to the extent considered necessary.
- p. In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts were disclosed by the Authority to the known interested parties vide a disclosure statement issued on 12th February, 2013 and comments received on the same, to the extent considered relevant by the Authority, have been considered in this finding.
- q. Investigations have been carried out by the Authority for the period starting from 1st April, 2010 to 30th September, 2011 (POI). The examination of trends in the context of injury analysis covered the periods 2007-08, 2008-09, 2009-10 & the POI.
- r. ***in this finding statement represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- s. The exchange rate for the POI has been taken by the Authority as Rs.45.93 = 1 US\$.

C. Scope of Product under consideration and like article

Submissions made by the Domestic Industry

- 9. Following are the submissions made by the domestic industry with regard to product under consideration and like article:
 - i. The present investigation being the Sun Set Review, the scope of the product under consideration must remain the same as that in the original investigation.
 - ii. No significant development has taken place over the period.

Submissions made by the producers/exporters/other interested parties

10. No relevant submission has been made by the respondent producer/exporter/other interested parties with regard to the scope of the product under consideration (PUC) and like article.

Examination by the Authority

11. The product under consideration, in the original as well as the present sunset review investigation, is "Flat Base Steel Wheels of size 16" nominal diameter to 20" nominal diameter used in tubed tyre application in commercial vehicles" (the subject goods), originating in or exported from China PR. The present investigation being a sunset review, the investigation covers the product covered in the original investigation.
12. Flat base steel wheels are assembly of rim and disc with a demountable ring. Rims and discs are produced in separate lines and welded together to form a wheel, which is mounted on the axles of vehicles and fitted with tyres to enable vehicle movement. Commercial vehicles comprise of buses, lorries including trucks, trailers, tempos, etc. Wheels are classified under Chapter 87 of the Customs Tariff Act under the category of "vehicles other than railway or tramway rolling stock, and parts and accessories thereof" under the sub-heading 8708.70 of the Customs Tariff Act and ITC HS classification. The customs classification is, however, indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.
13. The present investigation being a sun set review investigation and anti-dumping duties, as earlier recommended by the Authority, being in force on the imports of the subject goods from the subject country, the Authority considers that the scope of the PUC in the present investigation remains the same as that of the original investigation. Moreover, none of the interested parties have made any relevant submission requesting modification (including curtailment) in the scope of the review.

D. Domestic Industry and Standing**Submissions by the Domestic Industry**

14. The following are the submissions made by the domestic industry with regard to scope of the domestic industry and standing:
- The scope of domestic industry and standing are not relevant in a sun set review.

- ii. The application was filed by M/s. Kalyani Lemmerz Limited and M/s. Wheels India Limited. M/s. Steel Strips Wheels Limited, which commenced commercial production during the period of investigation, has supported the application despite having very low production. None of the constituents of domestic industry have imported the subject product. Therefore, question of possible ineligibility within the meaning of rule 2(b) does not arise.
- iii. The petitioners command nearly 98% share in Indian production in the POI and therefore constitute domestic industry.
- iv. Maxion (Nantong) Wheels Co. Ltd, China PR is a wholly owned subsidiary of lochpe Maxion SA. Kalyani Hayes Lemmerz was acquired by lochpe Holdings LLC, a subsidiary of lochpe Maxion SA in February, 2012, beyond the POI. Since the said development has taken place beyond the POI, it is immaterial to the present investigation. Further, the product produced by Maxion (Nantong) Wheels Co. Ltd, China PR is beyond the scope of the product under consideration of the present investigation. Moreover, the product produced by Maxion (Nantong) Wheels Co. Ltd., China PR has not been exported by them during the POI.

Submissions by the producers/exporters/other interested parties

15. The following are the submissions made by the producers/exporters/other interested parties with regard to scope of the domestic industry and standing:

- i. Kalyani Lemmerz is a subsidiary company of Hayes Lemmerz. Hayes Lemmerz has signed an agreement with lochpe Holdings, LLC, whereby lochpe will acquire Hayes Lemmerz. Thus, presently lochpe is the holding company and controlling Hayes Lemmerz. In effect, lochpe is controlling Kalyani Lemmerz. lochpe has a wholly owned subsidiary in China PR - Maxion (Nantong) Wheels Co. Ltd., which is also producing commercial vehicle wheels. It is very clear that lochpe is the main holding company, while Kalyani Lemmerz and Maxion (Nantong) are its subsidiaries.

Examination by Authority

16. As regards the contention that Kalyani Lemmerz is related to Maxion (Nantong) Wheels Co. Ltd., China PR, the Authority notes from the documents furnished by the concerned producer/exporter itself that the said development has taken place after the POI. Moreover, the product being produced by Maxion (Nantong) Wheels Co. Ltd, China PR is beyond the scope of the product under consideration under the present investigation. Therefore, the Authority notes that the alleged development is not relevant to the present investigation.
17. The application has been filed by M/s. Kalyani Lemmerz Limited and M/s. Wheels India Limited. The Authority notes that subject goods are also being produced by M/s. Steel Strips Wheels Limited, who has commenced commercial production during the period of investigation. In view of the above position and having regard to the Rules and information on record, the Authority holds that M/s. Kalyani Lemmerz Limited and M/s. Wheels India Limited, constitute domestic industry for the purpose of the present sun set review investigation, within the meaning of the Rules

E. Confidentiality

Submissions by the producers/exporters/other interested parties

18. The opposite interested parties have alleged that the domestic industry has claimed excessive confidentiality in the petition.

Submissions by the Domestic Industry

19. The domestic industry, on the contrary, has submitted that excessive confidentiality has been claimed by the exporter in the exporter's questionnaire response.

F. Examination by the Authority

20. The Authority has examined the confidentiality claims of the interested parties. The Authority made available to all interested parties the public file containing non-confidential version of evidences submitted by various interested parties for inspection, upon request as per Rule 6(7).
21. With regard to confidentiality of information Rule 7 of Anti-dumping Rules provides as follows:-

(1) Notwithstanding anything contained in sub-rules (2), (3) and (7) of rule 6, sub-rule (2) of rule 12, sub-rule (4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other

information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.

(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.

22. The Authority examined the confidentiality claims of the interested parties and on being satisfied allowed the claim on confidentiality.

G. Miscellaneous Submissions

Miscellaneous submissions by the producers/exporters/importers and other interested parties

23. The following miscellaneous submissions have been made by producers/exporters/importers/other interested parties:

- i. The validity of imposition of ADD on imports of subject goods is still under dispute and not finally settled by Hon'ble Supreme Court. Therefore, until the final disposal of appeal by Hon'ble Supreme Court, DGAD may stay the conduct of the present investigation.
- ii. The initiation of the SSR investigation is faulty since it is based on grossly insufficient and inaccurate petition filed by the domestic industry.
- iii. Had the Domestic Industry really suffered from continued dumping for the past 5 years, it could have preferred a MTR for enhancing duties. Since the domestic industry didn't take remedial action through MTR, it has forgone its right to make claim of continued dumping in SSR case.

- iv. The petitioner has not disclosed that Jantas, Turkey is a related party to Kalyani Lemmerz and they have not co-operated in this investigation. Therefore the data of Jantas, Turkey, related party of petitioner, cannot be relied by the Authority.

24. The following miscellaneous submissions have been made by the domestic industry:

- i. There is no legal basis for the arguments of the opposite interested parties that the validity of imposition of anti-dumping duty on imports of Steel Wheels from China PR is still under dispute and not finally settled by Hon'ble Supreme Court and therefore, until the final disposal of appeal by Hon'ble Supreme Court, DGAD may stay the conduct of the present investigation. There is no direction either by Hon'ble Supreme Court or any other higher authorities to this effect.
- ii. Domestic industry has provided adequate information in the petition and the same is not misleading.
- iii. As regards the contention of the opposite interested parties that Steel Wheels for tubeless tyres cannot be considered as part of the PUC, it is submitted that the petitioners have not considered Steel Wheels for tubeless tyres in determination of volume and value of imports.
- iv. On the one hand the opposing interested parties are disputing consideration of Turkey as a surrogate country and on the other hand are pointing out at lack of relevant information.

Examination by the Authority

25. The relevant miscellaneous submissions made by the interested parties, have been examined and addressed by the Authority as follows:

- i. With regard to the contention that the validity of imposition of ADD on imports of subject goods is still under dispute and has not been finally settled by Hon'ble Supreme Court, the Authority notes that there is no bar on the Authority to conduct and complete the subject investigation.
- ii. With regard to the contention that DI has not disclosed that Jantas, Turkey is a related party to Kalyani Lemmerz, the Authority notes that Turkey is not a subject country and Turkish price has not been relied upon by the Authority in determining the normal value for China PR, as suggested by the domestic industry. The Authority further notes that

the issue of relationship of Kalyani Lemmerz with Jantas, Turkey, as was adequately addressed in the earlier investigation, is a non-issue.

- iii. The Authority has relied upon import statistics from the DGCI&S source in respect of product under consideration only.

H. The Authority notes that there is no legal bar on the domestic industry to file an application for sun set review because they had not preferred a mid-term review of existing antidumping duty.

I. **De Minimis Limit**

26. As per the import data received by the Authority from the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) and other secondary sources, as well as the data furnished by the cooperating exporters from China PR, the import of the subject goods from the subject country is significant and above de minimis level.

J. **Determination of Dumping Margin, Normal Value and Export Price**

Examination of Market Economy Claims

27. In the present SSR investigation, M/s Zhengxing Wheel Group Co Ltd, China PR, who were treated as non-market economy entity by the Authority in the earlier investigations, claimed market economy treatment by filing MET questionnaire response.
28. At the stage of initiation, the Authority proceeded with the presumption by treating China PR as a non-market economy country. Upon initiation, the Authority advised the producers/exporters in China to respond to the notice of initiation and provide information relevant to determination of their market economy status. The Authority sent copies of the MET questionnaire to all the known exporters for rebutting presumption of non-market economy in accordance with criteria laid down in Para 8(3) of Annexure-I to the Rules. The Authority also requested Government of China to advise the producers/exporters in their country to provide the relevant information.
29. As per Paragraph 8, Annexure I to the Anti-dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and establish to the contrary. The cooperating exporter/producer of the subject goods from China are required to furnish necessary information/sufficient

evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-

- i. The decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- ii. The production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- iii. Such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
- iv. The exchange rate conversions are carried out at the market rate.

Submissions by the Domestic Industry

30. Following are the submissions made by the domestic industry:

- i. Factual matrix remains the same since the original and review investigations. Chinese companies should not be considered entitled for Market Economy Treatment.
- ii. The respondent Chinese company has undergone multiple changes in its legal status. Even earlier it was a state owned plant. If so, the process by which such state owned plant has been acquired by private entities becomes the key issue for grant of market economy treatment.
- iii. Since no questionnaire response has been filed by the subsidiaries involved in subject goods, the entire response filed by the respondent company is required to be rejected. If the exporter and its subsidiaries are selling the product in the domestic market, normal value cannot be correctly established unless all such companies are investigated by the authority.
- iv. The price of raw materials/utilities cannot be relied upon since the same are procured from related parties as well as state owned entities.

- v. Turkey may be considered as a market economy third country for determination of normal value.
- vi. The raw materials consumption price statement provided by the domestic industry should be considered as the international price of the raw material, after necessary price adjustments.

Submissions by the producers/exporters/other interested parties

31. Following are the submissions made by M/s Zhengxing Wheels Group Co Ltd., China PR and other interested parties:

- i. M/s Zhengxing Wheels Group Co Ltd, China PR is a market economy and therefore their dumping margin should be based on data provided by them. Zhengxing Wheels Group Co Ltd is a wholly owned foreign enterprise with no state interference.
- ii. All HR Coils suppliers are state owned and therefore HR Coil had to be taken from such supplier. However the raw materials and the utilities are procured at arm's length prices.
- iii. Utilities are charged at normal prevailing market rate at not at any subsidized rate. The Company is subject to civil procedure law for China.
- iv. Contention of the domestic industry that all the subsidiaries should have filed a response, irrespective of the fact whether or not they exported the subject goods to India is erroneous.
- v. Domestic industry has proposed that Turkey may be considered as a market economy third country. Without cooperation by Turkish company, the proposal of domestic industry needs to be out rightly rejected.

Examination by the Authority

32. The Authority had not granted market economy treatment to M/s Zhengxing Wheel Group Co Ltd, China PR in the final findings of the original investigation. The non-market status of M/s Zhengxing Wheel Group Co Ltd, China PR was also reaffirmed by the Authority in the CESTAT remanded findings.

33. Despite the non-market status of M/s Zhengxing Wheel Group Co Ltd. established by the Authority in the original investigation and reaffirmed by the Authority in the CESTAT remand findings, M/s Zhengxing Wheel Group Co Ltd claimed market economy treatment once again in the

present sunset review investigation. The Authority examined and verified the MET claim of M/s Zhengxing Wheel Group Co Ltd in the present sunset review investigation. The following are the observations of the Authority in this regard:

- i. M/s Zhengxing Wheel Group Co Ltd, China PR (producer/exporter) claimed to be a *** % subsidiary of M/s China Wheel Ltd, a Hong Kong based company, which in turn is the *** % subsidiary of M/s China Zenix Auto International Ltd, claimed to be a foreign company of British Virgin Islands. M/s China Zenix Auto International Ltd is owned by M/s New Race Ltd holding *** % shares and M/s Richburg Holdings holding *** % shares. The balance*** % shares were stated to be held by public. M/s New Race Ltd is *** % owned by Ms Laifan Chu, claimed to be a Hong Kong resident. Richburg Holdings was stated to be held by three investment companies namely M/s Richwise Investment Financial Ltd (*** %), Richwise Capital International Ltd (*** %) and IMV Associates Ltd (*** %). During the verification, the company could not provide further information/documents as regards the ownership and activities of M/s Richwise Investment Financial Ltd, Richwise Capital International Ltd and IMV Associates Ltd.
- ii. Although the subject producer/exporter claimed that M/s China Zenix Auto International Ltd is only a trading company and not involved in the subject goods, the Authority notes that the name of China Zenix Auto International Ltd is used alternatively with Zhengxing Wheel Group Co Ltd. Further, in the annual report of M/s China Zenix Auto International Ltd, available in the public domain, the company claims the performance of Zhengxing Wheel Group Co Ltd and the subsidiaries, including their exports, as its own performance.
- iii. The Authority notes that the subject company has five subsidiaries in five different places in China namely Zhengxing Group Lafang Wheel Co Ltd, Zhengxing Group Benxi Wheel Co Ltd, Zhengxing Group Chengdu Wheel Co Ltd, Zhengxing Group Hefei Wheel Co Ltd and Huan Zhengxing Wheel Co Ltd, involved in the subject goods either directly or indirectly. It has been acknowledged by the respondent company that Zhengxing Group Lafang Wheel Co Ltd, Zhengxing Group Hefei Wheel Co Ltd, and Zhengxing Group Chengdu Wheel Co Ltd are involved in the production and domestic sale of the subject goods, although not exported the subject goods to India. Despite the involvement in the subject goods, the subsidiary companies did not file response.

- iv. The respondent company was acknowledged to have been set up originally as a collective enterprise by Government of China PR in association with Mr Lai Jianhui, but the company could not substantiate with documentary evidence that the Government of China PR had gone through the process of open bidding and public selection while selecting Mr Lai Jianhui to take over the collective enterprise as the sole proprietor.
- v. Further, the company could not establish with documentary evidence as to how Mr Lai Jianhui, who was simply a manager in Pinghe Automobile Tyre and Bicycle Repair Depot in 1988 could amass so much of financial resources to set up such a huge business conglomerate and become chairman of the group. The company could not also substantiate with documentary evidence that the changes, the company had undergone over the years, were as per open market process and principles.
- vi. In the exporter's response, the company claimed that they have not received any grant/incentive from the Government. But, the annual accounts of M/s China Zenix Auto International Ltd states that they have received substantial Government grants/subsidies including a grant of RMB *** million from Government of China for construction of a new plant. However the company could not explain how a company claimed to be a private company and a foreign venture received such grants/incentives.
- vii. The price of Rims purchased by the company from its ***% owned subsidiary company namely M/s Zhengxing Group Lafang Wheel Co Ltd, also involved in the subject goods, was about ***% lower than the purchases made from sources claimed to be unrelated. On being asked to clarify this aspect, the company could not provide any clarification with documentary evidence.
- viii. The company has procured the major raw materials (HR Coils etc) mostly from State owned companies. The company was asked to justify with documents how the prices of procurement of HR Coils and other raw materials procured from the State owned sources are comparable with the prevailing international market prices. The company could not provide any satisfactory details/documents to that effect.
- ix. As per the annual report of M/s Zenix Auto International the group enjoys a preferential income tax rate of 10% as compared to the 25% rate applicable for others. On being asked to justify such preferential

treatment meted out by the Government of China to the Group, the company could not provide any satisfactory reasons.

- x. The company obtained loans from public and private sources, but could not establish satisfactorily that all such borrowings were repaid with interest as per prevailing bank rate.
- xi. The company could not also establish with documentary evidence the source of fund of the investors/shareholders in the respondent company, as well as related companies involved in the subject goods either directly or indirectly.

34. The verification report was sent by the Authority to the concerned producer/exporter for comments. The Authority examined the comments/submissions made by the respondent company in this regard and notes that the company has not provided any satisfactory comments substantiated with documents for most of the observations of the Authority concerning the establishment and changes in the structure of the company, procurement of major raw materials and utilities at prices comparable with prevailing international market prices, source of funds of investors and shareholders, substantial grants/subsidies received by the company from Government source, preferential treatment enjoyed by the company in the matters of payment of income tax and public borrowings, non-filing of response by the subsidiary companies producing the subject goods and selling them in the domestic market, etc. In view of the above position, the Authority holds that M/s Zhengxing Wheel Group Co Ltd, China PR continues to operate under non-market conditions and therefore does not grant market economy status to M/s Zhengxing Wheel Group Co Ltd, China PR.

K. Normal Value for China PR

35. Since Authority has not granted market economy treatment to the responding producer/exporter for the purpose of this disclosure statement, therefore, the normal value has been determined on the basis of Para-7 to Annexure-I to the Rules. Para 7 of Annexure I of the Anti-dumping Rules provide that:

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis if the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit

margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments."

36. In accordance with the Para 7 of the Annexure 1 of the Anti-dumping rules as mentioned above, normal value is required to be determined on the basis of costs or prices in market economy third country. As regards the submission of the domestic industry that Turkey should be considered as an appropriate surrogate market economy third country for China PR, the responding exporter has argued that that in view of the differential levels of economic development, Turkey should not be considered as a surrogate country for determination of normal value. The Authority notes that in terms of para 7 of the Annexure-I of the Rules, due account should be taken of the level of development of the market economy third country while selecting an appropriate market economy third country. Keeping in view the differential levels of economic development between China PR and Turkey and the level of development of the subject product, the Authority does not consider Turkey as an appropriate market economy third country for China PR and constructed normal value on the basis of cost of production in India.

37. In view of the above position, the normal value has been constructed by the Authority in the present investigation taking into account the international price of the major raw materials, consumption norms, conversion cost, and SGA expenses of the most efficient domestic producer and after adding reasonable profit margin at 5% of cost of sales excluding interest.

L. Export Price

M/s Zhengxing Wheel Group Co Ltd, China PR

38. M/s Zhengxing Wheel Group Co Ltd, China PR (producer/exporter) is the only respondent from China PR who filed questionnaire response. The Authority verified the data furnished by M/s Zhengxing Wheel Group Co Ltd. and notes that the company has exported ***sets (**Kgs) of the subject goods at FOB value of US\$ ***during the POI. The adjustments

claimed on account of Inland Freight, Bank charges and Credit cost. Have been accepted by the Authority after verification during the on-the-spot verification. The net export price worked out by the Authority is ***US\$/Kg.

Export Price for Other Exporters from China PR

39. As no other exporter/producer has provided any information that can be used for determination of the export price, the Authority determined the 'Export Price' for the other exporters from China PR on the basis of 'facts available' on record. The net export price worked out by the Authority is ***US\$/Kg.

M. Dumping Margins

40. Comparing the normal values and export prices at ex-factory level as determined above, the dumping margin for the producers/exporters of subject country is determined by the Authority as follows:-

Particulars	Zhengxing Wheel Group Co Ltd.	Other Chinese producer/exp orter
Normal value US\$/Kg	***	***
Net Export price US\$/Kg	***	***
Dumping Margin US\$/Kg	***	***
Dumping Margin per Kg (%)	***	***
Dumping Margin per Kg Range %	60-70	80-90

N. Injury and Causal Link

Submissions by the domestic industry

41. The Domestic Industry has made the following submissions with regard to the injury and causal link:

- There is continued dumping of the product under consideration from China;
- Dumping of the product under consideration is likely to intensify from subject country should the current anti-dumping duty be revoked;

- iii. Volume of imports has increased in absolute terms despite current anti-dumping duties in force;
- iv. Volume of imports is quite significant in relation to production and consumption in India despite existing anti-dumping duties;
- v. Price undercutting with and without prevailing anti-dumping duties are significantly positive;
- vi. Performance of the domestic industry deteriorated in terms of inventories, market share, profits, return on investments, cash flow.
- vii. Performance of the Domestic Industry in terms of production, capacity utilization, domestic sales suffered when compared to changes in demand;
- viii. Even though the domestic industry was able to improve its production and sales volumes to some extent, the increase was disproportionate to the increase in India. Further, domestic industry was unable to earn profits in the current period even after imposition of anti-dumping duty.
- ix. The domestic industry has not yet recovered from the past ill effects of dumping and revocation of anti-dumping duty shall imply intensified injury to the domestic industry in future.
- x. Domestic Industry has been prevented from utilizing its capacities to the fullest extent.
- xi. Both cost of production and selling prices increased over the period, the increase in the selling price is less than the increase in the cost of production. The imports are thus suppressing the prices in the market.
- xii. The production, sales and capacity utilization of the domestic industry has not shown significant improvements. However, the profitability of the domestic industry has declined.
- xiii. Market share of domestic producers should have substantially increased with the imposition of anti-dumping duties. The domestic industry should have regained the lost market share after imposition of anti-dumping duty. However, market share of the domestic industry has further declined.
- xiv. Despite rising demand and such low prices being offered by the Domestic Industry, the inventories have increased. Sales volumes have not increased in proportion to the demand in the Country, whereas the domestic industry had expected to increase its sales beyond the rate of increase in the demand.
- xv. Domestic industry has not been able to come out of past ill effects of dumping. In fact, performance has further deteriorated.
- xvi. As regards the contention of the opposite interested parties that majority of the economic indices show considerable improvements in the performance of domestic industry, it is submitted that the argument is without any basis. On the contrary, performance of the domestic industry deteriorated significantly in respect of market share, profits,

- return on investment, cash flow; which collectively and cumulative establishes that the domestic industry suffered injury.
- xvii. The demand for the product under consideration increased by 39% whereas imports increased by 142% and the sales of the domestic industry increased only by 19%. The foreign producers do not enjoy any special privileged position in the country wherein they would gain volume by 142% when the demand grew only by 39% as a result of which domestic industry was prevented from increasing its operations to the extent of increase in demand.
- xviii. As regards the contention that imports have increased due to demand supply gap, it is submitted that imports have actually increased due to absorption of anti-dumping duty by the exporter.
- xix. As regards the contention that capacity additions made by domestic industry during the POI will have direct bearing on cost of the product as well as return on investments, it is submitted that there is no such abnormal increase in the capital employed.
- xx. The causal link has already been established in the original investigation. In the present sunset review investigation, the Hon'ble Designated Authority has to examine whether revocation of anti-dumping duty would lead to continuation or recurrence of dumping and injury.
- xxi. Following parameters show that injury to the domestic industry has been caused by the dumped imports and thereby establish causal link:
- a) Imports from the Subject Country have increased in absolute terms, preventing growth of the Domestic Industry to the expected levels.
 - b) Market share of China has shown an increase over the injury period. Consequently, the market share of the domestic industry has declined.
 - c) Imports from China are undercutting the prices of the domestic industry even after addition of applicable anti-dumping duties.
 - d) Profitability and consequently return on investment and cash profit situation of the domestic industry deteriorated.
 - e) The imports are still continuing at dumping prices and further, the extent of dumped imports has remained at significantly higher levels in the POI. Thus, existence of such a situation after imposition of anti-dumping duty gives a clear implication of likelihood of injury.
 - f) Domestic industry is facing continuous injury from the dumping of subject goods. However, there is no reason or justification to believe that revocation of the duty would not lead to increased or continued dumping at a higher level with consequent injury to the domestic industry.

- g) Product under consideration are also imported in the guise of different nomenclature like wheels, wheel rims, wheel disc, assembly of wheel disk and rim, etc. Therefore, such imports should not be excluded from the import data.

Submissions by the producers/exporters/other interested parties

42. Following are the submissions made by the producers/exporters/other interested parties with regard to injury to the domestic industry:

- i. Petition filed by the DI is inaccurate and misleading. Stark difference exists in the data provided in the petition and updated information, of capacity, production and inventory.
- ii. Majority of the economic indices mentioned in Art 3.4 show considerable improvements in the performance of domestic industry.
- iii. The capacity utilization provided by domestic industry is for the entire plant and not for the product under consideration.
- iv. Sale volume and sales price per unit have also increased. Inventory is decreased.
- v. Demand of subject goods in 2008-09 was adversely impacted because of global recession. Therefore, decline in demand in 2008-09 is required to be either adjusted or ignored while examining injury to the domestic industry.
- vi. Imports have shown some increase due to increase in demand and inability of the petitioners to satisfy the demand of the domestic users on time.
- vii. The costs and return on investments may be normalized considering the capacity expansion.
- viii. Production, sales volume, sales value and inventories show a significant improvement during the period of investigation.
- ix. The price undercutting has been incorrectly calculated by the petitioner.
- x. Sales of domestic industry shot up by almost 50% in 2009-10 and went further up by 25% during POI. In comparison, imports increased by 28% only during 2009-10 and by 29% during POI. Thus, while domestic industry's sales succeeded in taking the major part of pie in 2009-10, competition between imports and domestic industry remained healthy during POI. If domestic industry perceives threat due to competition as threat to injury, imports cannot be blamed for that.
- xi. The injury analysis should be done after segregating the PUC from non-PUC.

- xii. Even though the annual report of Wheels India does not contain information relating to product under consideration alone, Wheels India has been able to achieve its highest ever sales and profits during 2011-12, which forms a significant part of POI. Moreover, post POI, the share prices of Wheels India has shot up significantly.

Examination by the Authority

43. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure-II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, "... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.
44. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the rules supra.
45. The present investigation is a sunset review of anti-dumping duties in force. Rule 23 provide that provisions of Rule 11 shall apply, mutatis mutandis in case of a review as well. The Authority has therefore determined injury to the domestic industry considering, mutatis mutandis, the provisions of Rule 11 read with Annexure II. Further, since anti-dumping duties are in force on imports of the product under consideration, the Authority considers that the fact of existing anti-dumping duties on the on the imports of subject goods from China PR is required to be considered while examining injury to the domestic industry. The Authority has examined whether existing measure is sufficient or not to counteract the dumping which is causing injury.
46. The Authority notes that the following injury analysis shows the state of the domestic industry and the injury caused by the dumped imports of the subject goods originating in or exported from the subject country. The

Authority has considered and addressed the specific and relevant submissions herein below:

- i. The Authority has examined injury to the domestic industry by considering verified data relating to M/s. Kalyani Lemmerz Ltd, Pune and Wheels India Ltd, Chennai. The Authority has relied upon the imports data from the DGCI&S source by taking the PUC only. However, some imports having different nomenclature such as wheels, wheel rims, wheel disc, assembly of wheel disk and rim, etc, but comparable with the product under consideration in terms of average weight, size and price are also taken in to consideration.
- ii. As regards submission of the domestic industry that because of the global recession in 2008-09 and resultant steep fall, in automotive production, parameters such as imports, demand, market share, capacity utilization, productivity, etc should either be adjusted or ignored, the Authority notes that the economic impact due to recession was a global phenomenon.
- iii. As regards the submission that imports have increased due to increase in demand and inability of the domestic industry to satisfy the demand of the domestic users, the Authority notes that the total production capacity of the domestic industry for the PUC is more than the total domestic demand, but their capacity utilization is about 75% only. In the absence of dumped imports the domestic industry could have fulfilled the total domestic demand.
- iv. As regards the submission concerning performance of Wheels India Ltd., the Authority notes that this company is a multi-product Company and its over-all performance cannot be considered as indicative of the performance in respect of the product under consideration. The Authority holds that the performance of the subject company on account of the product under consideration is only relevant for the present investigation and not the company's overall performance and its performance in the stock market.

Volume Effects of Dumped Imports: Import volumes and market shares**Examination by the Authority**

47. According to Section 9(A)(5) of the Customs Tariff Act, anti-dumping duty imposed shall, unless revoked earlier, cease to have effect on the expiry of five years from the date of such imposition, provided that if the Central Government, in a review, is of the opinion that the cessation of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury, it may, from time to time, extend the period of such imposition for a further period of five years and such further period shall commence from the date of order of such extension.
48. Article 3.1 of the WTO Agreement and Annexure-II of the Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.
49. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry Para (iv) of Annexure-II of the Anti-dumping Rules states as follows: *"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping, actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments."*
50. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure-II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, "... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports

on domestic producers of such articles....” In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to suppress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

51. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the rules supra.
52. The present investigation is Sun Set Review investigation of anti-dumping duties in force. Rule 23 provide that provisions of Rule 11 shall apply, mutatis mutandis basis in case of a review as well. The Authority has therefore determined injury to the domestic industry considering, mutates mutandis, the provisions of Rule 11 read with Annexure II. Further, since anti-dumping duties are in force on imports of the product under consideration, the Authority considers that the fact of existing anti-dumping duties on imports of the product from China PR is required to be considered while examining injury to the domestic industry. The Authority has examined whether existing measure is sufficient to counteract the dumping which is causing injury.
53. For the purpose of assessing present state of injury, the Authority has examined the volume and price effects of dumped imports of the subject goods on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any. The Authority has examined injury to the domestic industry by considering information relating to M/s. Kalyani Lemmerz Ltd, Pune and Wheels India Ltd, Chennai, constituting domestic industry under the Rules. The Authority has addressed the relevant issues by undertaking analysis of all mandatory injury parameters.

VOLUME EFFECT: Volume effect of dumped imports and impact on domestic industry:

Demand and Market Share

54. The Authority has determined demand or apparent consumption of the product in the Country as the sum of domestic sales of the Indian Producers and imports from all sources. The demand so assessed can be

seen in the table below. It is seen that demand for the product in the country after a dip in 2008-09 shows an increasing trend thereafter.

Demand in India	Unit	2007-08	2008-09	2009-10	POI	Annualised POI
Domestic Industry Sales	MT	83,433	53,647	79,450	1,48,568	99,045
Other Indian Producer Sales	MT	-	-	-	1,472	981
Imports from China (Subject Country)	MT	28,403	25,727	30,492	53,000	35,333
Imports from other countries	MT	505	0	-	360	240
Total Demand	MT	1,12,341	79,374	1,09,942	2,03,399	1,35,599
Market share In Demand						
Sales of Domestic Industry	%	74.27	67.59	72.27	73.04	73.04
Sales of other domestic producer	%	-	-	-	0.72	0.72
Imports- Subject Country	%	25.28	32.41	27.73	26.06	26.06
Imports- Other Countries	%	0.45	0.00	-	0.18	0.18

The Authority notes that the market share of the domestic industry has marginally decreased during the POI as compared to the base year, whereas the market share of the subject country has increased marginally during the same period.

Import Volume & market share

55. With regard to volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports either in absolute terms or relative to production or consumption in India.

Particulars	Unit	2007-08	2008-09	2009-10	POI	POI Annualised
Imports from China	MT	28,403	25,727	30,492	53,000	35,333
Production of domestic Industry	MT	85,811	55,298	80,263	1,51,175	1,00,783
Share of Chinese Imports in relation to						
Total imports into India	%	98.25	100.00	100.00	99.33	99.33
Demand in India	%	25.28	32.41	27.73	26.06	26.06
Production of domestic Industry	%	33.10	46.52	37.99	35.06	35.06

The Authority notes from the data given in the table above that there has been consistent increase in the volume of imports in absolute terms from the subject country except in 2008-09 in spite of the anti-dumping duties in force. Further, the subject imports in relation to demand and production of the domestic industry in India has also increased in POI as compared to the base year.

Production, capacity and capacity utilization

56. The Authority notes from the table below that capacity for the product under consideration has remained the same throughout the injury period. The production and capacity utilisation after falling steeply in 2008-09 has improved thereafter.

Particulars	Unit	2007-08	2008-09	2009-10	POI	POI Annualised
Installed capacity	Nos.'000	3620	3620	3620	5430	3620
Production	Nos.'000	2409	1644	2239	4087	2725
Capacity Utilization	%	66.55	45.42	61.85	75.27	75.27

Sales of the Domestic Industry:

57. Sales volume of domestic industry are given in the following table:

Particulars	Unit	2007-08	2008-09	2009-10	POI	POI Annualised
Domestic Sales	MT	83,433	53,647	79,450	1,48,568	99,045
Trends	Indexed	100	64	95	178	119

The Authority notes that the sales volume of the domestic industry shows increasing trend after a steep fall in 2008-09 and the volume of sales has increased in POI as compared to the base year.

Price Effect - Price effect of dumped imports and impact on domestic industry:

58. The impact on the prices of the domestic industry on account of imports of the subject goods from the subject country have been examined with reference to price undercutting, price underselling, price suppression and price depression. For the purpose of this analysis the cost of production, net sales realization (NSR) and the non-injurious price (NIP) of the domestic industry have been compared with landed value of imports from the subject country. A comparison for subject goods during the period of investigation was made between the landed value of dumped imports and the domestic selling price in the domestic market. In determining the net sales realization of the domestic industry, taxes, rebates, discounts and commission offered by the domestic industry have been adjusted. The price underselling is an important indicator of assessment of injury; thus, the Authority has worked out a non-injurious price and compared the same with the landed value to arrive at the extent of price underselling. The non-injurious price has been evaluated for the domestic industry by appropriately considering the cost of production for the product under consideration during the POI. The position is as follows:

Price Undercutting and Underselling:

Price Undercutting

59. The price undercutting/underselling effects are examined below:

Particulars	Unit	2007-08	2008-09	2009-10	POI
Net Sales realisation	Rs./Kg	***	***	***	***
Landed value with ADD	Rs./Kg	50.35	67.49	59.37	61.67
Landed value without	Rs./Kg	36.02	51.65	43.53	45.83

ADD					
Price Undercutting without ADD					
Price Undercutting without ADD	Rs/Kg	***	***	***	***
Price Undercutting without ADD	%	***	***	***	***
Price Undercutting without ADD	Range %	30-40	20-30	25-35	30-40
Price Undercutting with ADD					
Price Undercutting with ADD	Rs/Kg	***	***	***	***
Price Undercutting with ADD	%	***	***	***	***
Price Undercutting with ADD	Range %	5-15	0-10	0-10	5-15

Price Underselling

Particulars	Unit	POI
Non injurious price of the domestic industry	Rs/Kg	***
Landed value with ADD	Rs./Kg	***
Landed value without ADD	Rs/Kg	***
Price Underselling with ADD	Rs./Kg	***
Price Underselling without ADD	Rs/Kg	***
Price Underselling with ADD	%	***
Price Underselling without ADD	%	***
Price Underselling with ADD	Range %	10-20
Price Underselling without ADD	Range %	50-60

The Authority notes that landed price of imports is far below the selling price of the domestic industry, thus resulting in significant price undercutting, both with and without anti-dumping duty. Furthermore, the landed price of imports

both with and without anti-dumping duty is substantially less than the non-injurious price, thus resulting in positive price underselling.

Price Suppression and Depression

60. To examine the price suppression and depression effects of the dumped imports on the domestic prices, the trend of net sales realization of the domestic industry has been compared with the cost of production. The data given below shows that the domestic industry's selling price has remained below its cost of sales throughout the injury period except in 2009-10, signifying existence of price suppression effect.

Particulars	Unit	2007-08	2008-09	2009-10	POI
Cost of Sales	Rs/kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	128	105	123
Selling price	Rs/kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	123	107	124

Examination of other Injury Parameters

61. After having examining the effect of dumped imports on the volumes and prices of the domestic industry and major injury indicators like volume and value of imports, capacity, output, capacity utilization and sales of the domestic industry as well as demand pattern with market shares of various segments, other economic parameters which could indicate existence of injury to the domestic industry are analyzed hereunder:

Profit/loss, return on investment and cash flow

62. The return on investment, profit/loss before and after interest and cash profit are as shown in the table below:

Particulars	Unit	2007-08	2008-09	2009-10	POI	POI Annualised
Cost of Sales	Rs/KG	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	128	105	123	123
Selling Price	Rs/KG	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	123	107	124	124

Profit/loss	Rs/KG	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	(100)	(637)	58	(26)	(26)
Profit/loss	Rs. Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	(100)	(410)	55	(47)	(31)
Profit before interest and tax	Rs. Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	(58)	195	295	197
Return on capital employed (ROCE)	%	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	(59)	125	99	99
Cash Profit	Rs. Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	(58)	205	313	209

The Authority notes that both the cost of sales and selling price of the domestic industry have increased in POI as compared to the base year as well as the preceding year. However, the increase in selling price is lower than the increase in the cost of sales as compared to the base year as well as the immediate preceding year. The domestic industry continues to suffer losses throughout the injury period with the exception of 2009-10 in which period, it made a marginal profit. The cash profit during the POI (annualized) has declined significantly as compared to the base year as well as the immediate preceding year. Similarly, the ROCE has also declined significantly during the POI as compared to the base year as well as the immediate preceding year.

Inventories:

63. The data given in the table below shows that the inventory position of the domestic industry has improved during POI as compared to the base year as well as the preceding years.

Inventories	Unit	2007-08	2008-09	2009-10	POI
Opening stock	MT	***	***	***	***
Closing stock	MT	***	***	***	***
Average stock	MT	1,931	1,883	1,342	901

Employment and wages

64. From the table given below, the Authority notes that both the employment and wages of the domestic industry has increased throughout the injury period in POI as compared to the base year.

Particulars	Unit	2007-08	2008-09	2009-10	POI	POI Annualised
Employment	Nos	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	93	102	104	104
Wages	Rs. Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	88	92	179	119

Productivity

65. The Authority notes from the table below that productivity of the domestic industry has increased sharply during the POI as compared to the preceding years.

Productivity	Unit	2007-08	2008-09	2009-10	POI
Productivity per employee	MT	***	***	***	***
Productivity per day	MT/day	245.17	157.99	229.32	287.95

O. Magnitude of Dumping Margin

66. The Authority notes that the dumping margin of the imports of the subject goods from the subject country is positive and above de-minimis.

P. Growth

67. The Authority notes that the domestic industry has shown positive growth in some of the economic parameters such as production, domestic sales, and productivity in POI as compared to the base year. However, profit, cash profit, ROCE, etc have deteriorated in POI as compared to the base year. The Authority further notes that, the volume of imports from the subject country in absolute terms has increased significantly during the

POI although its market share has declined marginally as compared to the immediate preceding year.

Q. Causal Link

68. Under Section 9A (5) of the Act, the Authority is required to examine the likelihood of dumping and injury and the need for continuation of duties. Notwithstanding this, the Authority examined whether other known factors could have caused injury to the domestic industry as follows:

- i. **Imports from Third Countries:** - The Authority notes that Imports of product under consideration from other countries are negligible and therefore could not have caused injury to the domestic industry.
- ii. **Contraction in Demand:** - The Authority notes that there is no contraction in demand as the demand of the subject goods in the country has consistently increased throughout the injury period, except 2008-09 affected by global recession.
- iii. **Pattern of consumption:** - It is noted that no significant change in the pattern of consumption for the subject goods has come to the knowledge of the Authority, nor any interested party has made any submission to that regard.
- iv. **Conditions of competition:-** The Authority notes that the investigation has not shown that conditions of competition or trade restrictive practices are responsible for the claimed injury to the domestic industry.
- v. **Developments in technology:** - The Authority notes that the investigation has not shown that there was any significant change in technology which could have caused injury to the domestic industry.
- vi. **Export performance of the domestic industry: -**

Particulars	Unit	2007-08	2008-09	2009-10	POI	POI Annualised
Exports Sales	MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	92	73	127	85

It is noted that the volume of export sales of the domestic industry has sharply decreased in POI as compared to the base year. However, the price and profitability in the domestic and export market has been segregated by the Authority for the purpose of assessing injury to the domestic industry. .

Likelihood of dumping and injury**Submissions by the domestic industry**

69. Following are the submissions made by the domestic industry:

- i. China is the major exporter of Steel Wheel, attracting anti-dumping duties from several other countries. Although USA has revoked the anti-dumping duty, Argentina has imposed provisional anti-dumping duty on dumped imports of subject goods from China.
- ii. Imports from the subject country are undercutting the prices of the Domestic Industry in the Indian market. There existed a significant price undercutting in the whole injury period. Even after the existence of the current anti-dumping duty, imports from the subject country are undercutting the domestic prices.
- iii. The landed price of imports is substantially below the cost and selling price of the Domestic Industry. Thus, in the event of cessation of current anti-dumping duty and if the domestic industry chooses to sell at the import prices, the Domestic Industry would suffer significant financial losses.
- iv. The exporters and producers from the subject country have continued to export the material at the dumped prices even after the imposition of the anti-dumping duty. There is no reason to consider that revocation of duties in the present case would not result in intensified dumping from China PR.
- v. It is submitted that producers in China PR maintain huge capacities to produce steel wheels as shown in the table given below. In case of revocation of anti-dumping duty, the volume of subject goods' imports is bound to increase further.

S.No.	Producers in China	Capacity (Nos.)
1.	Shandong Jining Wheel Factory	1.5 million
2.	Shandong Shengtai, Shandong	4 million
3.	Xiamen Sunrise Wheel Group Co. Ltd.	4 million
4.	Zhejiang Jingu Company Ltd.	17 million
5.	ShangdongXingmin Wheel Co. Ltd.	6 million
6.	Fujian Zhengxing Wheel Co. Ltd.	5.2 million

7.	China Zenix Auto International Ltd.	12.5 million
8.	Shengtai Group Shandong Detong Wheels Co.	1 million

- vi. As per US preliminary determination on Steel wheels from China, the capacity and production of a few Chinese producers is as tabulated below:

(Quantity in 1000 units)

Particulars	2008	2009	2010	2011 projected	2012 projected
Chinese Capacity	4,604	4,604	6,724	7,261	11,973
Chinese Production	3,000	2,660	4,899	6,067	9,682

- vii. Producers in China have built capacities far in excess of its domestic demand and are unutilized. Further, the exporters from China PR have very high export orientation worldwide as can be seen in the table below. Hence, the dumping and injury is likely to recur at aggravated level in case the existing anti-dumping duties are revoked at this stage.

S.N.	Producers In China	Export percentage
1.	Shandong Jining Wheel Factory	71% - 80%
2.	Shandong Shengtai, Shandong	31%-40%
3.	Xiamen Sunrise	61%-70%
4.	Zhejiang Jingu Company Ltd.	51% - 60%
5.	Shandong Xingmin Wheel Co. Ltd.	31%-40%
6.	Fujian Zhengxing Wheel Co. Ltd.	30%
7.	Nanjing High Hope Engineering Co., Ltd	91%-100%
8.	Shandong Detong Wheel Co. Ltd.	71%-80%

- viii. In the event of revocation of the anti-dumping duty, the product is likely to be dumped more intensively and undercut the prices of the domestic industry more significantly.
- ix. The Chinese producers are already exporting the product under consideration to a number of countries. Therefore, in the event of cessation of anti-dumping duties, the Chinese producers are likely to divert their third country exports to Indian market.

Submissions by the producers/exporters/other interested parties

70. Following are the submissions made by the producers/exporters/other interested parties:

- i. Likelihood of injury in the event of revocation of anti-dumping duty is untenable. The arguments raised by domestic industry in its petition clearly indicate absence of any likelihood or recurrence of injury to the domestic industry.
- ii. The product under consideration in respect of the ADD imposed by USA, Argentina etc is different from that of the Indian investigation and hence the likelihood analysis basing on the same is not correct.

Examination by the Authority

71. The present investigation is a sun set review of anti-dumping duties imposed on the imports of subject goods from China PR. Under the Rules, the Authority is required to determine whether continued imposition of anti-dumping duty is warranted. This also requires examination of whether the duty imposed is serving the intended purpose of eliminating injurious dumping. In the present investigation, as there are continued dumped imports, the Authority is not required to examine whether revocation of duty is likely to lead to continued dumping of the product. However, considering the fact that the dumping margin in the original as well as the present investigation is significant and that there are favorable market conditions in the Indian market as far as demand and price for the subject goods are concerned, the Authority has reason to believe that dumping will intensify if the duty is revoked. It is a matter of fact that despite the anti-dumping measures in force, the subject country could maintain a significant presence in the Indian market to the detriment of the domestic industry. The following analysis speaks about the likelihood of intensification of dumping and aggravated injury to the domestic industry in the event of revocation of the duty:

Level of current and past dumping margin

- i. Volume of import of the subject goods, originating in or exported from the subject country, has significantly increased despite the existence of anti-dumping duties. Given the significant price undercutting during the entire injury period, price suppression during the injury period of the present investigation and considering the capacity in China and demand in India, the volume of dumped import is likely to increase further in the event of revocation of anti-dumping duty. Considering the

magnitude of dumping margin in the earlier investigation and the dumping margin determined by the Authority in this investigation, it is evident that the exports of the subject goods, originating in or exported from the subject country, were continued to be made at dumped prices injuring the domestic industry despite the anti-dumping duty in force. The Authority, therefore, concludes that the dumped imports of the subject goods from the subject country are likely to intensify in the event of revocation of the anti-dumping duties.

Price attractiveness of Indian market

- ii. The price at which the subject goods are being exported by China PR to India is an indicator of the likelihood of continuation/intensification of dumping. At the landed price in India, there is significant undercutting both with and without duty. Thus, with the revocation of anti-dumping duties, the Indian prices would be too attractive for the Chinese producers to intensify their exports to India at dumped prices and there is strong likelihood that Indian consumers would resort to large scale imports of the subject goods from China.

Export orientation of foreign producers

- iii. From the available information it is evident that the Chinese producers/exporters are very much export oriented. From the annual report of M/s Zenix Auto International, the parent company, it is evident that India is the largest international market and a preferred destination for the company and it has well laid out plans to maximize its exports of the subject goods to India. Considering the high demand and favorable market conditions for the subject goods in India and the high production capacity and export orientation of the Chinese producers, the Authority holds that if the existing antidumping duties are withdrawn, the entire demand for the subject goods in India can be catered by the Chinese producers by replacing the Indian producers.

Market share of China PR in the Indian market

- iv. The Authority notes that despite the anti-dumping duty in place, the subject country has maintained a significant share in the Indian market during the entire injury period.

R. Magnitude of Injury and injury margin

72. The non-injurious price of the subject goods produced by the domestic industry as determined by the Authority in terms of Annexure III to the AD

Rules has been compared with the landed value of the exports from the subject country for determination of injury margin during the POI and the injury margin so worked out is as under:

Particulars	Unit	Zhengxing Wheel Group Co Ltd.	Other Chinese producer/ exporter
Non injurious price of the domestic industry	Rs/Kg	***	***
Landed price without ADD	Rs/Kg	***	***
Injury margin	Rs/Kg	***	***
Injury margin	US\$/Kg	***	***
Injury margin	%	***	***
Injury margin % range	Range %	45-55	60-70

S. Indian industry's interest and other issues

73. The Authority recognizes that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product in India. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. The Authority notes that the imposition of the anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The consumers could still maintain two or even more sources of supply.

74. The purpose of imposing anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Further, imposition of anti-dumping duties, would not affect the availability of the product to the consumers.

T. Post Disclosure Comments

75. Following are the post disclosure comments made by the producer/ exporter/importers/other interested parties:

- i. The ownership details of the Chinese producer or exporter under investigation would have to be established to the extent the capital is owned by Chinese individuals or Chinese entities. Such a requirement cannot be extended to encompass non-Chinese company, i.e. a company incorporated outside China.
- ii. The subsidiary companies, who are involved in the manufacture and sale of subject goods in the domestic market, are not involved in exports to India. Therefore they did not file response.
- iii. Zhengxing has procured rims from its related company. The related company has charged the normal rate of profit. Further, related company does not have to incur any selling and distribution expenses. Therefore, price charged by related company is less than the price at which the rims are purchased from unrelated entity.
- iv. Zhengxing is subjected to an Income Tax Rate of 15% as it has been recognized as a "High and New Technology Enterprise". This does not amount to State interference in the operations of the company.
- v. The product under consideration in the present investigation is Flat Base Steel Wheels of size 16" to 20" nominal diameter used in tubed tyre application. The authority must remove those transactions which do not contain a complete steel wheel and do injury analysis.
- vi. There is no price depression since there is no fall in the selling price of the domestic industry during the injury analysis period. Even there is no price suppression as well.
- vii. The performance of the domestic industry improved substantially with the imposition of anti-dumping duties. Revocation of anti-dumping duties would not lead to deterioration in the performance of the domestic industry.
- viii. The landed value of subject goods during 2008-09 was highest. During the same year, loss suffered by the domestic industry is also highest. Therefore, there is no causal link between the imports into India and the injury to the domestic industry.
- ix. In a sunset review, the authority has no legal right whatsoever to vary or modify the duty. The scope of sunset review is only to come to a conclusion that the expiry of antidumping duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury.

- x. The authority should re-calculate the landed value of Zhengxing on the basis of average freight of their supplies to Tata and Leyland.

76. Following are the post-disclosure comments made by the domestic industry:

- i. Domestic industry submits that the duty should be imposed in terms of US\$. Rupee has depreciated significantly and therefore, the definitive duties may kindly be expressed in US\$. The depreciation of INR has impacted the costs of the raw materials, utilities and other costs.
- ii. Weight of the wheels applied by the domestic industry is lower than the wheel supplied by Chinese producers. Therefore, in order to ensure fair comparison, the eventual determination of dumping margin and injury margin should be done after converting NIP and import price on numbers for the limited purpose of determination of injury margin. Further, normal value determined on weight basis should be eventually expressed in numbers before comparing with the export price to reflect the realistic dumping margin and injury margin.
- iii. Annexure III does not require warranty cost to be deducted from the calculation of NIP. However, if warranty cost is excluded from the NIP, the same should also be excluded from the import price in order to conduct a fair comparison.

Examination by the Authority

77. The post-disclosure comments, considered relevant by the Authority, are addressed below:

- i. As regards the submissions concerning market economy issues; the Authority notes that the same are mere reiterations of their earlier submissions without being substantiated with documents and have already been addressed adequately and appropriately in the relevant sections of this finding. The post disclosure comments by the concerned producer/exporter do not rebut their non-market position.
- ii. As regards the contention that the ownership details of the Chinese producer or exporter under investigation cannot be extended to encompass non-Chinese companies, the Authority notes that the

non-Chinese companies operating in China are also subject to Chinese Law and the non-market economy prevailing in China PR.

- iii. The Authority notes that the contention that the subsidiary companies, who are involved in the manufacture and sale of subject goods in the domestic market and not involved in exports to India need not file response, is incorrect. It is the responsibility of the Chinese companies to rebut their non-market economy status by filing the required questionnaire responses.
- iv. As regards the substantial difference in the price of raw material procured from the related and unrelated sources, M/s Zhengxing in their post disclosure comments submitted, without substantiating with documents, that they could procure rims from their related company at a lesser price as compared to the open market price because the related company do not have to incur any selling and distribution expenses and also charge only nominal profit. The Authority notes that such unsubstantiated submissions are not acceptable.
- v. As regards the contention of M/s Zhengxing that lesser rate of income tax is being charged on them as they are recognized as a "High and New Technology Enterprise" and therefore it does not amount to State interference, the Authority notes that the subject exporter has not demonstrated that they have been granted by the Government such a status in terms of any policy of the Government. The impact of such differential rate of tax on the cost and price of the product of the company cannot be denied as well.
- vi. As regards the contention that in a sun set review the Authority has power only to extend the period of duty and duties cannot be enhanced; the Authority notes that the relevant rules & regulations on the subject empowers the Authority to modify the duties as well, based on the facts and merits of each case. Further, the Authority has been recommending modified duties in a number of cases concerning sunset review investigations.
- vii. The Authority notes that the contention regarding absence of price suppression effect is incorrect. Based on the actual data of the domestic industry it is observed that during the injury period excluding 2009-10, the cost of sales is higher than the selling price in absolute value, indicating price suppression effect.

- viii. The Authority notes that both the landed value and the loss per unit of subject goods during 2008-09 was the highest. This is mainly due to domestic industry not able to increase its selling price to a reasonable level due to dumped imports from the subject country. This is the position prevailing in the entire injury period. Therefore, the contention of the exporter/importers that there is no causal link is not correct.
- ix. The Authority notes that the contention that the performance of the domestic industry improved substantially with the imposition of anti-dumping duties and therefore, revocation of anti-dumping duties would not lead to deterioration in the performance of the domestic industry is incorrect. In the present investigation, data analysis shows that price-undercutting and price underselling, with and without anti-dumping duty, are positive. Further, the imports of the subject goods from the subject country have continued substantially and at dumped prices despite the anti-dumping measures in force. Moreover, the likelihood analysis also shows that subject country is in a position to dump the subject goods into India at a much intensified manner aggravating injury to the domestic industry, in the event of revocation of anti-dumping duty.
- x. As regards the contention that the transactions which do not contain a complete steel wheel should not be considered, the Authority notes that the transaction-wise imports data from the DGCI&S source in respect of PUC only has been considered in the present investigation. However, some imports having different nomenclature such as wheels, wheel rims, wheel disc, assembly of wheel disc and rim, etc, but comparable with the product under consideration in terms of average weight, size and price, are also taken into consideration by the Authority.
- xi. As regards the contention of domestic industry for determination of NIP in terms of number instead of weight, the Authority notes that in the original investigation as well as in the present investigation, the Authority has taken weight as the appropriate unit of measurement for the subject goods for fair comparison and analysis.
- xii. Annexure III mandates the Authority to exclude post manufacturing expenses while assessing NIP. The Authority has therefore, not considered the warranty expenses, which is in the nature of post manufacturing expenses, for determination of NIP. As far as landed value is concerned, the same has been determined by the Authority as per the practice of DGAD.

- xiii. The Authority has recomputed the landed value of the exports made by the co-operative exporter by considering the ocean freight incurred by Tata Motors and Ashok Leyland who are the major importers of the subject goods from the subject exporter.
- xiv. As regards the submission of the Domestic industry that Rupee has depreciated significantly and therefore, the definitive duties may be expressed in US\$, the Authority notes that the Authority has recommended the duty in terms of US\$ as per its normal practice.

U. CONCLUSIONS

78. Having regard to the contentions raised, information provided and submissions made by the interested parties and facts available before the Authority as recorded in this final finding and on the basis of the above analysis of the state of continuation of dumping and consequent injury and likelihood of continuation/recurrence of dumping and injury, the Authority concludes that:

- i. Imports from China PR have increased over the injury period and continue to command a significant share;
- ii. Volume of dumped imports is quite significant in relation to production and consumption in India;
- iii. There has been continued dumping of the subject goods from China PR and the dumping is likely to continue and increase if the anti-dumping duty is allowed to cease.
- iv. Price undercutting has been significantly positive during the entire injury period both with and without anti-dumping duty;
- v. Price underselling has been significantly positive both with and without anti-dumping duty;
- vi. The performance of the domestic industry in terms of market share, profits, return on investments, cash profit, etc. has deteriorated in POI, whereas the same should have normally improved after imposition of anti-dumping duties;
- vii. Although the domestic industry has shown positive growth in some of the economic parameters such as production, domestic sales, and productivity during the POI, the improvement in the economic health of the domestic industry is largely due to the imposition of the anti-dumping measures;
- viii. The subject goods are entering the Indian market at dumped prices

and the dumping margin is above de-minimis.

- ix. Should the present anti-dumping duties be revoked, dumping of the subject goods will intensify causing further injury to the domestic industry.

V. Recommendations

79. Having concluded as above, the Authority is of the view that the anti-dumping measure is required not only to be extended, but also to be increased in respect of imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country as specified in the duty table below.

80. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty equal to the lesser of the margin of dumping and the margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, the anti-dumping duty equal to the amount indicated in Col. 9 of the table below is recommended to be imposed concerning all imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country, by the Central Government.

Duty Table

S. No	Sub-Heading/ Tariff Item	Description of Goods	Country of Origin	Country of Export	Prod ucer	Export er	Amount of Duty	Unit of Measure ment	Currency
(1)	(2)	(3)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1	8708.70	Flat Base Steel wheels of nominal diameter 16"- 20"	China PR	China PR	M/s Zheng xing Wheel Group Co Ltd.	M/s Zheng xing Wheel Group Co Ltd.	512.64	MT	US\$
2	-do-	-do-	China PR	China PR-	Any combination of producer/ exporter (other than in S. No.1 above)		613.00	MT	US\$
3	-do-	-do-	China PR	Any country other than China PR	Any	Any	613.00	MT	US\$
4	-do-	-do-	Any country other than China PR	China PR	Any	Any	613.00	MT	US\$

W. Further Procedures

81. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the Customs Authority under the Customs Act, 1962 and all duties of Customs except duties levied under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.
82. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.


J. S. DEEPAK, Designated Authority